

शिव



आमंत्रण

सशक्तिकरण एवं सामाजिक सेवाओं का दर्पण



05

हम सबको मन, बुद्धि से शुभभावना का साथ देने वाला हाथ रखना है

07

भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल की साईकिल रैली में आए जवानों को...



वर्ष 08 | अंक 12 | हिन्दी (मासिक) | दिसंबर 2021 | पृष्ठ 16 |

मूल्य ₹ 9.50

भोजन को परमात्मा की शक्ति से चार्ज करके और भोग लगाकर ग्रहण करने से बन जाता है प्रसाद

मन को सकारात्मक बनाने के लिए सात्विक भोजन है संजीवनी

भोजन बनाते समय भजन सुनने और भोजनशाला में मधुर आध्यात्मिक संगीत चलने से उसके वाइब्रेशन भोजन को बनाते हैं शक्तिशाली और पवित्र

वैज्ञानिकों का दावा- ज्यादातर मानसिक और शारीरिक बीमारियों का कारण गलत मानसिक स्थिति में ग्रहण किया और बनाया गया भोजन



वैज्ञानिक शोधों में दावा- हमारे भोजन का तन और मन पर पड़ता है सीधा असर



किस मनोस्थिति में भोजन बनाया गया और किस मनोस्थिति में ग्रहण किया इसका भी मन और तन पर पड़ता है असर

आध्यात्म में पवित्र भोजन जरूरी



हमारे भोजन का मन से सीधा संबंध है। परमात्मा को भोग में हमेशा सात्विक भोजन, फल, मेवा का ही भोग

लगाया जाता है। आध्यात्म में भोजन की पवित्रता पर विशेष जोर दिया गया है। क्योंकि बिना भोजन के नियंत्रण के हम आत्मा को दिव्य गुण और शक्तियों से भरपूर नहीं कर सकते हैं। आज यदि मानव ने अपने भोजन का सात्विक और पवित्र बना लिया तो इससे कई बीमारियों और परेशानियों से बचा जा सकता है

- दादी रतनमोहिनी, मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज, माउंट आबू

■ **शिव आमंत्रण । आबू रोड।** कहा जाता है जैसा अन्न वैसा मन। यह केवल कहावत नहीं बल्कि सच है। पुरातन संस्कृति में भोजन और आहार-व्यवहार पर काफी ध्यान दिया जाता था। इससे उस दौर के लोग स्वस्थ, सुखी, संस्कारित और संयमित होते थे। उनमें एकता, सद्भावना, अपनापन, पारिवारिक सामंजस्य था। इस सबका मूल कारण था कि लोगों के खानपान में सात्विकता, शुद्धता और पवित्रता थी। इस बात को विज्ञान और वैज्ञानिकों ने भी स्वीकार कर लिया है कि सात्विक आहार वाले व्यक्ति ज्यादा सकारात्मक, ऊर्जावान, ज्ञानी, आध्यात्मिक, शक्तिशाली और मानसिक रूप से स्वस्थ रहते हैं। यही नहीं उनका रोग प्रतिरोधक तंत्र भी काफी मजबूत होता है। वर्तमान जीवनशैली के भोजन, फास्टफूड और सात्विक भोजन के तुलनात्मक अध्ययन को लेकर शिव आमंत्रण की विशेष स्टोरी...

वेदों और उपनिषद में भी सात्विक भोजन का उल्लेख

छान्दोग्योपनिषद के 6.5.1 अध्याय में कहा गया है कि जो हम खाना खाते हैं उसका मन पर सीधा असर पड़ता है। इसलिए व्यक्ति के स्वभाव में यह दिखने लगता है। छान्दोग्योपनिषद में विस्तार पूर्वक कहा गया है कि- **अन्नमशितम त्रेधा विधीयते तस्य यः स्थविष्ठो, धातुस्तपुरीषं भवति यो मध्यमस्तन्मा संयोगिष्ठस्तन्मनः।** **भावार्थ :** खाया हुआ भाग तीन भागों में विभक्त हो जाता है, जो उसका अत्यन्त स्थूल भाग होता है वह मल, मध्य भाग रस और जो सूक्ष्म भाग होता है वह मन बन जाता है। आहार का उद्देश्य मन को स्वादेन्द्रिय को तृप्त करना ही नहीं है बल्कि उसका जीवन की गतिविधियों से गहरा सम्बन्ध है। जिस व्यक्ति का जैसा भोजन होगा, उसका आचरण भी तदनुकूल होगा। यह तो रहा स्थूल केवल अन्न की बात।

मन की अवस्था व भावना का भी गहरा प्रभाव

हम जब भोजन बनाते हैं और ग्रहण करते हैं तो उस समय भी कुछ नियमों का पालन करना चाहिए, ताकि भोजन संपूर्ण रीति तन और मन का पोषण कर सके। जैसी हमारी स्थिति होती है वैसी ही हमारी कृति बनती है। यदि कोई व्यक्ति क्रोध में भोजन बनाता है तो क्रोध में बनाया गया भोजन कभी स्वादिष्ट और सात्विक नहीं हो सकता है। क्योंकि क्रोधी व्यक्ति की भावना भी उसमें प्रवेश कर जाती है और खाने वाले पर उसका सूक्ष्म प्रभाव पड़ता है।

हमेशा अच्छी भावना के साथ बनाएं भोजन

हम जब भी भोजन बनाएं या उसे ग्रहण करें तो उस समय शुद्ध और सात्विक भावना होनी चाहिए। जिससे हमारे मन पर उसका सकारात्मक प्रभाव पड़े। क्योंकि जब हम किसी मंदिर या देवी देवताओं के लिए चढ़ावा चढ़ाने के लिए प्रसाद बनाते हैं तो उस समय साफ-सफाई और सात्विकता का बहुत ध्यान रखते हैं। इसलिए वह बनायी हुई सामग्री प्रसाद बन जाती है, जिसे लोग भाव और भावना से खाते हैं। मांस, मदिरा, मछली और अन्य मांसाहारी भोजन मनुष्य के लिए नहीं है। इससे मन में आसुरी विचारों का उदय होता है, इसलिए आज व्यक्ति तेजी से हिंसात्मक होता जा रहा है।

ध्यान के साथ बनाएं और खाएं भोजन

जब भी हम भोजन बनाएं और खाएं तो सबसे पहले परमात्मा को अर्पण करें। शुद्ध और सात्विक भोजन ही ग्रहण करें। आसुरी स्वभाव वाले व्यक्तियों के हाथों से बने हुए भोजन से परहेज करना चाहिए। इससे काफी हद तक मनुष्य की मनोदशा बदल जाएगी। व्यक्ति सकारात्मक हो जाएगा। इस तरह के परहेज से सामाजिक समस्याओं से काफी हद तक निजात मिल सकती है।



मोटा अनाज

36 रोगों का इलाज

जौ, ज्वार, बाजरा और रागी 70 फीसदी लोगों को कर सकता है कुपोषण मुक्त

जिन मोटे अनाजों को रसोई से बाहर कर दिया गया, आज वैज्ञानिक और डॉक्टर उन्हें ही पौष्टिक बताकर खाने की सलाह दे रहे हैं। कई रिपोर्ट ने खुलासा किया है कि अगर देश में मोटा अनाज फिर से चलन में आ जाए तो 70 फीसदी लोग कुपोषण से मुक्त हो जाएंगे। इसके अलावा आमजन मोटापा, बदहजमी, डायबिटीज, एनीमिया, हार्ट, कोलेस्ट्रॉल, जैसी 36 बीमारियों से मुक्त हो सकते हैं। पहले माताएं-शिशुओं को ज्वार और मक्का के आटे का घोल पिलाती थीं। मोटे अनाज आसानी से पचने वाले फाइबर और कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट्स का अच्छा स्रोत हैं। लो सैच्युरेटेड फैट के साथ लेने पर हृदय संबंधी बीमारियों को कम करता है। यह एलडीएल (लो डेंसिटी लिपोप्रोटीन) की क्लियरेंस बढ़ाता है। इसमें मौजूद फोलिक एसिड बढ़ती उम्र वाले बच्चों के लिए बेहद उपयोगी है। यह एंटीकैंसर भी होता है। इसमें कैल्शियम, प्रोटीन, जिंक, मैग्नीज, लोहा, खनिज तत्व, कैलोरी, कैरोटीन, फोलिक एसिड, एमिनो एसिड, विटामिन-बी, ई और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं।

ब्रह्माकुमारीज में भोजन की पवित्रता पर दिया जाता है विशेष ध्यान

सात्विक भोजन का मन पर सकारात्मक प्रभाव के चलते ब्रह्माकुमारीज संस्थान के सभी सेवाकेंद्रों पर भोजन की पवित्रता और शुद्धता का विशेष ध्यान दिया जाता है। यही कारण है कि राजयोगी, तपस्वी, ब्रह्माकुमार भाई-बहनें परमात्मा की याद में भोजन तैयार करते और ग्रहण करते हैं। प्याज और लहसुन तामसिक प्रवृत्ति के भोजन में आते हैं, इसलिए आध्यात्मिक पथ के राही के लिए इसे निषेध बताया गया है। क्योंकि इसके सेवन से इन्द्रियां चलायमान होती हैं और मन में चंचलता के साथ विकारों का जन्म होता है। यदि आप भी आध्यात्म के पथ पर चल रहे हैं और आत्मिक उन्नति के मार्ग पर प्रशस्त हैं तो आहार में फल-फूट, मेवा, सब्जियों के साथ शुद्ध व पवित्र भोजन ही ग्रहण करें। इससे तन और मन दोनों संतुलित और सदा स्वस्थ रहेंगे।





पिछले अंक से क्रमशः

समस्या समाधान

ब.कु. सुरज भाई
वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षक

हमारे संकल्पों में बहुत शक्ति होती है जो हमें एनर्जी प्रदान करती है। पॉजिटिव सोचें। जैसे मैं कोई भी कार्य कर सकता हूँ। मैं बहुत मेहनती हूँ। मुझे सफलता अवश्य मिलेगी।

■ शिव आमंत्रण

आबू रोड | कोरोना काल की एक सच्ची घटना गुजरात की है। एक साहूकार परिवार अहमदाबाद का जिसके पास दो करोड़ से ज्यादा की सम्पत्ति थी। परिवार के चार भाई चारों के झगड़े आपस में धन को लेकर चल रहे थे। एक बीके भाई अहमदाबाद में बड़े फैक्ट्री के मालिक हैं उनके ये चारों रिलेटिव थे। हमारी बीके गीता बहन जो क्लास कराती हैं उनका एक क्लास उन लोगों को भेज दी। दो को कोरोना हो गया था। सबने वो क्लास सुनीं।

महसूसता की शक्ति ▢ महसूसता की शक्ति से जीवन में बदलाव संभव है...

सदा श्रेष्ठ स्वमान में रहेंगे तो अभ्यास से एक दिन निश्चित ही उसका स्वरूप बन जाएंगे

क्लास सुनकर उनको लगा कि अभी तो सिर्फ कोरोना हुआ है, अगर हम चारों ही मर गये तो क्या काम आयेगा? सब ने फैसला किया लड़ना नहीं है। चारों ने आराम से पच्चीस-पच्चीस करोड़ बांट लिए। महसूस हुआ क्योंकि कई धनवान भी मरे बस उनका फैक्ट्री रह गया था। तो महसूस हुआ कि यह धन उतना महत्वपूर्ण नहीं है जितना मूल्यवान हम चारों का प्यार और नाता। तो रियलाइजेशन से, महसूसता से विचारों में परिवर्तन हो गया। नहीं तो ये मकान मुझे मिले, ये जमीन मुझे मिले, तो इस घर में झगड़े ही झगड़े लगे पड़े हैं।

कमियों को खत्म करना है

हम सभी को अपने-अपने घरों में सुख, शान्ति, प्रेम, खुशी का माहौल बनाना है। माताएं ज्यादा जिम्मेवारी लें। कई माताएं सोचती हैं मैं तो अकेली ज्ञान में हूँ और कोई घर में नहीं चलता। मैं इसका छोटा सा सुन्दर उत्तर दिया करता हूँ कि मन्दिर में ईष्ट देवी कितनी होती हैं? अम्बाजी में कितनी अम्बाएँ हैं। एक हैं न। एक ही देवी काफी हैं

बहुतों के काम बनाने के लिए। हम अगर महान बन जाएं तो परिवार में कोई न शराब पियेगा, न मांस-मछली खाएगा, न झगड़ा करेगा ये तीन आजकल की विशेष समस्याएँ हैं। हमें अपनी कमियों को महसूसता की शक्ति से खत्म करना है। इसका आधार है श्रेष्ठ स्वमान में स्थित होना। स्वमान केवल रटना नहीं है उसका नशा चढ़ जाए कि मैं यह हूँ। लोग शिकायत करते हैं कि हमारे ऑफिस का वातावरण ऐसा-ऐसा गंदा है। मैं कहता हूँ कलयुग में स्वर्ग जैसा वातावरण थोड़ी न होगा। आज यह समझकर ऑफिस जाओ कि मैं हूँ मास्टर क्रीयेटर हूँ। वातावरण कैसा भी हो सबको बदलने वाले हम हैं तो शिकायत खत्म हो जायेगी और नये-नये अनुभव होंगे। समझ लो कि मैं ईष्ट देवी हूँ। जहां मैं जाऊंगी रेत में भी हरियाली लाऊंगी।

समय अनुसार हम अपने संकल्पों को बदलें

हमारे निगेटिव वायब्रेशन सेवा बढ़ने ही नहीं देते।

हम अपने संकल्पों को बदलें। समय अनुसार जिस बदलाव की जरूरत है उसे बदलें। ज्यादा सोचने की आदत को बदलें। आज संसार के अनेक लोगों में डर बढ़ता ही जा रहा है। हमें अपने में बदलाव लाना है- अपने बोलने के तरीके में, किसी भी परिस्थिति में, किसी भी दुर्घटना में हम परेशान नहीं होंगे। लोग कहते हैं ये ब्रह्माकुमारीयां कहती हैं कि विनाश हो जायेगा। यह सुनकर लोग दुःखी हो जाते हैं कि ये विनाश-विनाश ही करती हैं। कई लोग तो ऐसा भी कहते हैं कि ये पवित्र आत्माएँ हैं भाई ये विनाश-विनाश कहती हैं तो जरूर हो जाएगा। इस तरह के संकल्प आगे और परिस्थितियों को नजदीक लायेगा। लेकिन दुनिया में लोगों को इस बात का आभास नहीं हो सकता कि कई जन्म के जो सबके विकर्म पाप हैं वो अब एक्टिव होते जाएंगे। उसके समाधान का कोई दवाई नहीं होगी। आप ये समझ लें कि दो-चार साल में हमारी मेडिकल साइंस फेल हो जाएगी क्योंकि मानसिक रोग काफी होंगे। मन का इलाज उन डॉक्टरों के पास नहीं है।

धर्म-ग्रंथों से ▢ इसी जन्म में हमें कर्मों की गुह्य गति का ज्ञान प्राप्त होता है

कर्म के लिए संकल्प भी बीज है



स्व-प्रबंधन

बीके रुपा

स्व-प्रबंधन विशेषज्ञ, माउंट आबू

■ शिव आमंत्रण

आबू रोड | देश में वापस आकर सुरेश ने अपनी पत्नी के साथ रहकर एक बड़ा व्यापार शुरू कर दिया। थोड़े दिनों में उसके घर में एक बेटे का जन्म हुआ और उसके नामाकरण पर बड़ी धूमधाम से कार्यक्रम रखा गया जिसमें शहर के बड़े-बड़े लोगों को आमंत्रित किया गया। उसी समय एक बड़े महात्मा भी आये थे, उन्होंने बच्चे का भविष्य देखा तो आश्चर्यचकित रह गये। सुरेश ने पूछा कि क्या बात है तो वह महात्मा ने कहा कि आप इस बच्चे को गरीबी में पालना, कहने का भाव महात्माजी का यह था कि जो वह कहे तुरंत लाकर नहीं देना परन्तु कम से कम खर्च उस पर करना। सुरेश ने महात्माजी से कुछ नहीं कहा लेकिन उसने महात्माजी की बात नहीं मानी और जैसे-जैसे बच्चा बड़ा होता गया और मात-पिता का लाडला होने के कारण उसने जो भी चाहा उसके सामने हाज़िर हो जाता था। और वह बच्चा बड़ा हो गया और उसकी शादी तय की गयी। परन्तु शादी के एक दिन पहले ही उसकी अकस्मात् मृत्यु हो गयी। उसी समय वह महात्माजी पुनः पधारे और उसने याद दिलाया कि उसने उसे कहा था कि बच्चे को गरीबों की तरह पालना क्योंकि उसने उस बच्चे का भविष्य देखा था कि वह उसका कोई हिसाब चुकाने आया है और हिसाब चुकू करते ही वह उनके घर से चला जायेगा। सुरेश ने मुनीम जी को बुलाया और उससे पूछा कि इस बच्चे के पीछे जो खर्च किया था उसका खर्च बताओ। मुनीम जी ने सारा हिसाब जोड़कर सुरेश को बताया तो वह हिसाब देखकर सुरेश को

जितनी तीव्रता का संकल्प होगा, उसके हिसाब से ही कर्म भी जरूर मिलता है

बहुत बड़ा धक्का लगा और उसने देखा कि उसने जितनी महेश की कमाई हड़प ली थी वह उतनी ही थी और वहीं उसको हाटअटैक हुआ और वह मर गया। कर्म की गुह्य गति भी कैसी है। सुरेश ने महेश को धक्का देकर मार डाला तो महेश ने भी दूसरे जन्म में उसको धक्का दिया जो उसकी मृत्यु का कारण बना। और जितना धन उसने उसका हड़प लिया था उतना ही महेश ने वापस ले लिया।

तभी कहा जाता है कि कर्म किसी को छोड़ते नहीं हैं चाहे अच्छा करो तो भी यहाँ ही उसकी भोगना है चाहे बुरा करो उसकी सजा भी व्यक्ति को यहीं मिलती है, इस जन्म में नहीं तो दूसरे जन्म में। कई बार मनुष्य के मन में यह सवाल जरूर आता कि क्या हर कर्म का फल अगले जन्म में ही मिल जाता है या दो तीन जन्म बाद भी मिलता है? जिस तरह एक किसान अगर मिर्ची या टमाटर का बीज बोता है तो तीन मास में ही उसका फल मिलने लगता है लेकिन अनाज का बीज डालता है तो 6 मास में फल मिलता है। वैसे ही अगर वह कोई फल का पेड़ लगता है तो उसे दो तीन साल में फल प्राप्त होता है और अगर नारियल का बीज डालता है तो दस साल के बाद उसे फल प्राप्त होता है। जितनी छमता का बीज होता है उतने समय में फल की प्राप्ति होती है।

वैसे ही कर्म करने के लिए संकल्प भी एक बीज है और जितनी दृढ़ता वाला संकल्प किया जाता है और जितनी तीव्रता से कर्म किया गया होता है तो उसका फल भी उतने समय में प्राप्त होता है। कोई कर्म का फल इसी जन्म में प्राप्त होता है और कोई कर्म का फल अगले जन्म में भी प्राप्त होता है और कोई कर्म का फल चार पांच जन्म बाद भी मिलता है और कोई कर्म का फल बीस-पच्चीस जन्म बाद भी मिलता है। तभी तो व्यक्ति जब दुःखी होता है तो यही कहता है पता नहीं कौन से जन्म कर्म का फल भोग रहा हूँ।

क्रमशः ...

क्रमशः अंतर्मन ▢ नुमाशाम, अमृतवेला मिस ना हो चाहे कितना भी बिजी हों

इन्हीं परिस्थितियों में हमें संपूर्ण बनना है



आध्यात्मिक उड़ान

डॉ. सचिन

मेडिटेशन एक्सपर्ट

■ शिव आमंत्रण

अपनी पवित्रता को नेचुरल बनाओ।

नमकीन नहीं, कड़वे और कठोर भी। इस कलयुग में अपेक्षा नहीं की जा सकती कि यहाँ का मनुष्य सतयुग जैसा व्यवहार करे। अंधकार है, सोझरा नहीं है ता यह संसार ऐसा ही है। हम इस संसार का ऐसा कुछ नहीं कर सकते। अपना ही कर सकते हैं। अपने को क्या बना देना है-झीला झील भव। बड़ा कर देना है। सामने वाला व्यक्ति वैसा ही रहेगा। सामने की परिस्थिति भी वैसी ही रहेगी। वो स्थान वैसा ही रहेगा। वो वायुमण्डल वैसा ही रहेगा। अगर उससे लगने की कोशिश की तो संघर्ष होगा। परिणाम दुःख, उलझन, बेचैनी। दो अहंकार टकराएंगे और जहाँ दो अहंकार टकराते हैं, दो संस्कार टकराते हैं, दो व्यक्ति टकराते हैं, वहीं परिणाम। दो आवाजें टकरा रही हैं वहीं परिणाम दुःखी होगा। हां जहाँ दो मौन टकराते हैं वहाँ केवल मौन बसता है। एक मौन प्लस दूसरा मौन। एक आवाज प्लस दूसरा आवाज, दो आवाजें और वो भी करकस। इसलिए इस संसार को समझना है। ये कैसे चल रहा है। इसी संसार में, इन्हीं प्रतिकूल परिस्थितियों में, इन्हीं बेचैनियों में हमें सम्पूर्ण बनना है। अनुकूल परिस्थितियों में सम्पूर्ण नहीं बना जाता, किसमें सम्पूर्ण नहीं बना जाता? प्रतिकूल परिस्थितियों, समस्याओं में कठिनाइयों में, दुःखों में, सब तरफ से जहाँ विरोध है। पद परिस्थितियों में स्वयं को मजबूत बनाना। अन्दर से स्वयं को स्थिर रखना। जो व्यक्ति स्वयं को अन्दर से स्वयं को वज्र समान स्थिर है, ऊपर से जो कुछ भी हो रहा है पर अन्दर निश्चल है, प्रशांत महासागर है। ऐसा स्वयं को अन्दर से बनाना है मजबूत और इस ब्राह्मण जीवन में चलते-चलते हरएक के हृदय में एक कमजोरी रह जाती है और वो कमजोरी है सेंसिटिव नेचर। सेंसिटिव नेचर समझ में आता है माताओं को? क्या कहते बाबा उसको, बाबा के शब्दों में क्या नाम है उनका? (किसी ने कुछ कहा) नहीं कुछ और है। हाथ लगाओ मुरझा जाए उसको क्या कहते हैं बाबा? टच मी नॉट देवी। कौन है यहाँ टच मी नॉट देवी जिनको हाथ लगाओ मुरझा गये। कुछ बोल क्या दिया तीन दिन तक नाराज, खाना बंद। हम इधर से आए मुह उधर। बात-बात में नाराज, बात-बात में दुःखी, बात-बात में उदास, मुरझाना, रूसना और रूठना।



शख्सियत

परमात्म शक्ति को साथ रख 1650 किलोमीटर की दूरी साइकिल से 13 दिन में तय कर मुजफ्फरपुर बिहार से माउंट आबू राजस्थान पहुंचे

दिग्विजय शाही

मुजफ्फरपुर, बिहार

मल लोग मेरे साथ कैसा भी व्यवहार क्यों न करें। अपनी मन की स्थिति अचल अडोल बनाये रखता हूँ।

शिव आमंत्रण

व्यक्ति जब बढ़ता की शक्ति से कोई भी मजिल तक पहुंचने का लक्ष्य बना लेता है तो वह माउंट एवरेस्ट जैसी विशालकाय चोटी तक एक निश्चित समय में पहुंचकर दिखा ही देता है। परन्तु यदि बढ़ता के साथ परमात्म शक्ति ईश्वरीय प्रेम साथ में हो तो असम्भव भी सम्भव हो जाता है। ऐसे ही एक साहसी व्यक्तित्व मुजफ्फरपुर बिहार के 52 वार्षिक दिग्विजय शाही हैं जो कि मुजफ्फरपुर से माउंट आबू राजस्थान 1600 किलोमीटर की दूरी मात्र 13 दिनों में एक पुरानी साइकिल से तय कर ब्रह्माकुमारी संस्थान के हेडक्वार्टर पहुंचे। पहुंचने का मकसद बस एक ही था परमात्मा से मिलन। ब्रह्माकुमारी संस्थान के अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय पहुंचकर उन्होंने शिव आमंत्रण से खास बातचीत कर अपना अनोखा अनुभव बताया-

ऐसा लग रहा था शिवबाबा मुझे मधुबन बुला रहे हैं जाना ही पड़ेगा दिग्विजय शाही मुजफ्फरपुर बिहार के रहने वाले एक किसान हैं। पिछले चालीस साल से परमात्मा शिव बाबा से मिलने के लिए गहन भक्ति करते रहे हैं। पढ़ें उन्हीं के शब्दों में..... एक दिन मुझे पता चला कि जिस शिव बाबा को लोग पूजा करते हैं उसी शिव बाबा को ब्रह्माकुमारी संस्थान भी मानती है। क्यों नहीं जाकर वहां समझा जाए कि वहां क्या मान्यता है? हमारे घर से तीन किलोमीटर दूरी पर ही ब्रह्माकुमारी का तुर्की सेवाकेंद्र है। वहां पहुंचकर वहां की संचालिका बीके पुष्पा बहन से मिला। उन्होंने मुझे परमात्मा के बारे में विस्तार से बताया। जब वो बता रही थी तभी मैं ध्यान में चला गया। मैंने देखा कि शिव बाबा ऊपर से नीचे आए और मुझे बोले आओ मेरे बच्चे मेरे गोद में आओ। फिर जब मैं ध्यान से नीचे आया तो मैंने ठान लिया कि अब मुझे परमात्मा के बताये मार्ग पर ही चलना है। इसके बाद मैं प्रतिदिन ब्रह्माकुमारी संस्थान में आने लगा और रोज मुरली महावाक्य सुनने लगा। इसके बाद जब मुझे मधुबन के बारे में पता चला तो प्रतिदिन बाबा से कहने लगा कि बाबा मुझे मधुबन बुलाओ। इसके बारे में दीदी से बोला तो उन्होंने कहा कि जब मैं मधुबन चलींगी तो ले चलींगी। उन्होंने सफेद कपड़े भी सिलवा कर दिए। उन्होंने कहा कि अभी भट्टी का टाइम है अभी भाई लोग नहीं जाएंगे, आप आगे जनवरी में चलना। लेकिन तत्काल उनके मना करने के बावजूद भी मैं उनसे बोला कि शिवबाबा मुझे मधुबन बुला रहे हैं जाना ही पड़ेगा।

हर वक्त परमात्मा की उपस्थिति का एहसास होता है

मैं जोन इंचार्ज बीके रानी दीदी से मुलाकात किया उनसे राखी बंधवाया और मैंने बोला दीदी हम बाबा के पास मधुबन जाएंगे उन्होंने कहा कि हां आप जाओगे। परमात्मा की कृपा से मेरा तीन कड़ जमीन ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र खोलने के लिए सफल हो पाया जो कि मेरे लौकिक घर के पास में ही है। मैंने सब शिवबाबा पर सौंप दिया कि कैसे इस जमीन पर सेवाकेंद्र खुलेगा, कैसे सुंदर मकान बनेगा? मैंने संकल्प कर शिव बाबा से कहा कि बाबा मधुबन जैसा ही इसे छोटा मधुबन बनाना। बाबा ने मुझे प्रेरणा दी और कहा कि ठीक है सब हो जाएगा। मुझे हर वक्त परमात्मा दिखायी देता है और उसका पूरा साथ मिलता है। मैं कहीं भी जाता हूँ मुझे कोई तकलीफ नहीं होती है। भल लोग मेरे साथ कैसा भी व्यवहार क्यों न करें। अपनी मन की स्थिति अचल अडोल बनाये रखता हूँ। जिससे परेशान होने का कोई सवाल ही नहीं पैदा होता है।

बाबा मेरे अंदर एक गजब सी शक्ति भर देता था

एक दिन मैं बड़ी दीदी से इजाजत लेकर मुजफ्फरपुर से माउंट आबू करीब 1600 किलोमीटर साइकिल से आने का संकल्प किया। उसके बाद मैंने यात्रा आरंभ कर शिव बाबा को संकल्प से भुक्कुटी सिंहासन पर बिठाकर ब्रह्मा बाबा को साइकिल का हैंडल पकड़ाया और निकल पड़ा। मैं यही सोचकर साइकिल चला रहा था कि ये साइकिल नहीं पुष्पक विमान हो गया है प्रभू अब ले चलो मधुबन। बाबा बिल्कुल वैसा ही किए। रास्ते में जब कहीं पर चढ़ाई आती थी तो वहां पर परमात्मा गजब की शक्ति भर देता था। कई जगह पहाड़ आये पर बाबा साइकिल तब लगता था कि मेरी साइकिल का पैडल खुद परमात्मा मार रहा है। यह मेरे जीवन का बहुत ही अद्भुत अनुभव था। मैं ऊपर देखते हुए शिवबाबा से शक्ति लेता चला आ रहा था और नीचे सकाश रूप में भी सबको देता आ रहा था। पहाड़ी जब पार किए तो उससे पहले गुफा थी उस गुफा के पास कई लोग मेरा फोटो क्लिक कर रहे थे और गुफा से पार करते भी हम एक ही हाथ से साइकिल चलाते पार कर गये।

ईश्वरीय मर्यादाओं से ही मिलती है परमात्मा की मदद

ईश्वरीय नियमों के अनुसार मैंने ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र से ईश्वरीय आदेश पत्र ना लेने की भूल की। जिसके कारण मुझे ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र पर ठहरने की इजाजत नहीं मिलती थी। एक दो सेवाकेंद्र पर जाने के बाद जब ठहरने को नहीं मिला तब मैं रास्ते में मंदिर, स्कूल जैसे स्थानों पर थोड़ा आराम करने का फैसला किया। भूख लगने पर फल खरीद कर खा लेता था। लेकिन मुझे बाबा पर पूरा विश्वास था कि भल सेंटर का गेट बंद हो गया मेरे लिए, लेकिन मेरे बाबा के दिल का गेट हमेशा खुला है। सेवाकेंद्र के भाई-बहनों के इस व्यवहार से मैं थोड़ा भी निगेटिव सोच नहीं लाया। मैंने हमेशा सकारात्मक तरीके से यही सोचा कि उन लोगों ने मेरे साथ ठीक ही किया जो मुझे ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र पर ठहरने नहीं दिया। मेरे पास तो कोई लेटर सबूत है नहीं फिर हमें ये लोग क्यों ठहरने दें? हमारे तरह तो कोई भी गलत आदमी भी वेश बदल कर आश्रम पर ठहरने का बहाना कर सकता है। जैसे रावण ने वेश बदलकर साधु के रूप में ही तो सीताजी का अपहरण किया था। सीताजी मर्यादा की लकीर से बाहर आयी तभी तो उन्हें बुरे दिन देखने पड़े इसलिए ये लोग सीताजी की तरह ईश्वरीय नियमों को नहीं तोड़ा जिसके कारण मैं अति प्रसन्न हूँ।

शान्तिवन आकर मुझे यही लगा कि यही मेरा असली घर है

साइकिल चलाते आगे बढ़ते गए तब एक हनुमान जी का मंदिर था वहां मैंने दो सेब का भोग लगाकर बांटकर खाया। वहां का जो पुजारी था वो कहने लगा अरे यह तो बाबा है बाबा। इस तरह थोड़ा-थोड़ा आराम करते हुए 13 दिनों की यात्रा कर 9:30 रात में मैं शान्तिवन आबूरोड पहुंचा। उसी टाइम से आराम करने के बजाय मैं सेवा में लग गया। शान्तिवन आकर के मुझे यही लगा कि यही मेरा असली घर है। यहां मुझे बहुत अच्छा फील होता है, मैं बहुत खुश हूँ। दुनिया में सब बोलते कि स्वर्ग ऊपर है लेकिन यहां देखकर मुझे लगा स्वर्ग ऊपर नहीं यही है। एक बहन जिन्होंने मुझे अपने सेवाकेंद्र पर ठहरने नहीं दिया उन्हें जब पता चला कि मैं शान्तिवन पहुंच गया हूँ तब वे मुझसे मिलकर बहुत आश्चर्यचकित हुईं और उन्होंने मेरे लिए शान्तिवन में रहकर सेवा करने के लिए 6 महीने का आदेश रूपी पत्र लिखकर दी। उन्होंने कहा कि आप 6 महीने बाद भी जितना दिन रहना चाहें उतना दिन रह सकते हो यहां। मैं फिलहाल इस हेडक्वार्टर के ब्रेड विभाग में अपनी सेवाएं दे रहा हूँ। मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। बाबा जब तक मेरे से होने वाली सेवाएं लेते रहेंगे मैं देता रहूंगा।

वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स से बीके आशा सम्मानित



पुरस्कार स्वीकारते हुए बीके आशा।

शिव आमंत्रण | गुरुग्राम। ओम शांति रिट्रीट सेण्टर की डायरेक्टर बीके आशा को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन द्वारा लॉकडाउन में कोरोना महामारी के चलते मानवता के लिए लोक कल्याण में अपना अमूल्य योगदान देने के कार्य के लिए सर्टिफिकेट ऑफ कमिटमेंट से नवाजा गया। इस अवसर पर वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन के राष्ट्रीय सचिव बीके डॉ. दीपक हरके और संस्था के ओम शांति मीडिया के मुख्य संपादक बीके गंगाधर, चाइना में ब्रह्माकुमारी की निदेशिका बीके सपना भी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कोरोना महामारी में सुविधाओं के अभाव के कारण किसी की जान न जाये इसके लिए 50 बेड वाले सभी सुविधाओं से सुसज्जित है ओम शांति रिट्रीट सेण्टर।

फर्स्ट समर मिस्टर राजस्थान में बीके सागर को मिला द्वितीय स्थान



भाई-बहनों की उपस्थिति में मैडल एवं शील्ड स्वीकारते हुए बीके सागर।

शिव आमंत्रण | आबूरोड। राजस्थान के अजमेर में राजस्थान स्टेट बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन द्वारा राजीव गांधी ऑडिटोरियम, बोर्ड ऑफ एजुकेशन में बॉडी बिल्डिंग मेन फिजिक चैम्पियनशिप एवं फर्स्ट समर मिस्टर राजस्थान का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में मुख्यालय माउंट आबू से बीके सागर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। यह गर्व की बात है की इस किताब को उन्होंने मेडिटेशन एवं शाकाहारी भोजन से हासिल किया है। बीके सागर को उनकी अचीवमेंट के लिए शुभकामनाएं देने हेतु संस्था के कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय एवं वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके गीता द्वारा कई बीके सदस्यों की उपस्थिति में मैडल एवं शील्ड देकर उनका स्वागत सत्कार किया गया।

ग्लोबल राइजिंग स्टार अवार्ड से बीके संगीता का सम्मान



अवार्ड स्वीकारते हुए बीके संगीता।

शिव आमंत्रण | पटना/बिहार। पटना चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री हॉल में आयोजित इंद्रप्रस्थ एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मुख्य अतिथि कला एवं संस्कृति मंत्री आलोक रंजन झा द्वारा ग्लोबल राइजिंग स्टार अवार्ड से स्थानीय सेवाकेंद्र प्रभारी बीके संगीता को नवाजा गया। यह अवार्ड उन्हें जनहित में किये गए अमूल्य योगदान एवं आध्यात्मिक प्रचार प्रसार के लिए प्रदान किया गया। कार्यक्रम में कई गणमान्य लोग शामिल हुए एवं सभी ने ब्रह्माकुमारी द्वारा की जा रही सेवाओं को सराहा और बीके बहनों का सम्मान किया।

हम सबको मन-बुद्धि से शुभभावना का साथ देने वाला हाथ रखना है



“

हमारे संस्कार बदल जाएंगे, मांगने के संस्कार खत्म होंगे, नाराज, दुःखी होने के संस्कार खत्म होंगे। जब देने वाला हाथ बन जाता है तब श्रीलक्ष्मी का आदान होता है।

पर ही करते हैं। पुराना रंग मिट गया, आत्मा के ऊपर नया रंग आ गया। हर एक को समझना, उसके संस्कार समझना और समझकर उनके प्रति सहानुभूति रखना, ये हमारा नया जीवन जीने का तरीका बन जाता है, यानी हमारे जीवन में नवीनता आ गई। हर चीज नई है, हर सोच नई है, हर भावना नई है। बोलने का तरीका, व्यवहार, खाने-पीने का तरीका, काम करने का तरीका, सब नया है, जीवन जीने का तरीका नया है। जब इतनी नवीनता आ जाएगी तब सही मायने में आत्मा का दीप जल गया। जब हम ये सबकुछ करते हैं तो हम जीवन में श्रीलक्ष्मी का आदान करते हैं।

दिवाली के दिन हम सभी स्वास्तिका बनाते हैं। यानी स्वास्तिका शब्द देखें तो इसका अर्थ स्व का अस्तित्व भी है। मुझ आत्मा का अस्तित्व, परिचय क्या है? स्वास्तिका को मन में बनाए और देखिए कि वो कैसा होता है। उसके चार भाग बनते हैं, ये जो चार भाग हैं ये मुझ आत्मा की यात्रा समझाते हैं कि मैं आत्मा क्या थी, फिर क्या बनी, फिर कहां गई, आज कहाँ हूँ और मुझे फिर कहां जाना है। पहले भाग में हम देखते हैं कि हाथ सीधा है। दूसरे भाग में नीचे की तरफ चला जाता है। तीसरे भाग में हाथ लेने की मुद्रा में आ जाता है और चौथे भाग में हाथ ऊपर हो जाता है। ये सृष्टि का चक्र है। मैं आत्मा जब इस सृष्टि पर आती हूँ तो मैं सतयुगी आत्मा हूँ। सृष्टि के उस समय को स्वर्ग, सतयुग कहते हैं। सतयुग में हर आत्मा भरपूर थी, सबको दुआएं देने वाली थी। दूसरा भाग यानी त्रेतायुग में मेरे देने की शक्ति घटनी शुरू हो गई तो हाथ नीचे की तरफ चला गया। आत्मा की शक्ति जैसे-जैसे कम होने लगती है तो उसकी देने की शक्ति कम होती जाती है। तब आत्मा मांगना शुरू कर देती है। सृष्टि का तीसरा युग यानी द्वापरयुग, जहां हाथ लेने की मुद्रा में आ जाता है और हम मांगना शुरू कर देते हैं। तब आत्मा की शक्ति और घट जाती है। फिर हम चौथे युग में पहुंच जाते हैं। जो है कलियुग। वहां हाथ ऊपर की ओर हो जाता है। यानी हम एक-दूसरे के ऊपर हाथ उठाना शुरू कर देते हैं। अब सबसे महत्वपूर्ण बात है कि इस कलियुग के बाद वापस सतयुग आ रहा है। सृष्टि का वो समय चल रहा है जहां घोर कलियुग है। लेकिन घोर रात्रि के बाद सवेरा होना ही है। तो हम सबको मिलकर इस सृष्टि का परिवर्तन करना है। सिर्फ नया साल नहीं आना है। इस सृष्टि पर नया युग आना दिवाली पर मन की सफाई पर भी ध्यान देना चाहिए। जब तक मन साफ नहीं होगा, हम श्री लक्ष्मी का आदान नहीं कर पाएंगे।



लक्ष्मी मतलब मन का लक्ष्य, हमारे जीवन का उद्देश्य। जो भी हम कर्म करें, उसमें जीवन का उद्देश्य होना चाहिए।

हमारे संस्कार बदल जाएंगे, मांगने के संस्कार खत्म होंगे, नाराज, दुःखी होने के संस्कार खत्म होंगे...

शिव आमंत्रण

अबू रोड। फिर वही समय फिर आ गया है। जहां सिर्फ घर-घर नहीं, बल्कि पूरी सृष्टि में दिवाली होती है। दिवाली नवीनता का समय है और नए युग की शुरुआत का समय भी है। दिवाली पर हमें घर के साथ मन की सफाई पर भी ध्यान देना चाहिए। जब तक मन की सफाई नहीं होगी, हम श्रीलक्ष्मी का आदान नहीं कर पाएंगे। श्रीलक्ष्मी का आदान यानी अपने अंदर की पवित्रता, दिव्यता का आदान करना। जहां मन में अपवित्रता होगी वहां दिव्यता कैसे आएगी। जहां पुरानी बातें जमी होंगी, वहां पवित्रता कैसे आएगी। जहां किसी के बारे में कुछ बैर होगा वहां सफाई कैसे होगी! इसलिए मन के कोने-कोने की जांच कर सफाई करें। जैसे-जैसे हम सफाई करेंगे, आत्मा के पुराने संस्कार खत्म होते जाएंगे और नए संस्कार उभरेंगे। सोचने का पुराना तरीका छोड़ते जाएंगे, नया तरीका आता जाएगा। इसलिए दिवाली में सफाई के साथ नवीनता का महत्व है। हर नई चीज हम दिवाली के समय खरीदते हैं। दिवाली में ऐसा क्या है? क्योंकि जब सफाई होगी तो नवीनता आनी ही आनी है। हम घर की पेटिंग भी दिवाली



अलविदा डायबिटीज

बीके डॉ. श्रीमंत कुमार
ग्लोबल हॉस्पिटल, माउंट आबू

डायबिटीज के दुष्प्रभाव

शिव आमंत्रण

अबू रोड। लो ब्लड शुगर (Low blood sugar) निदान - जब-जब रक्त में शुगर की मात्रा कम हो जाती है, अनेकानेक परिलक्षित होते हैं जैसे की घबराहट होना, आंखों के सामने अंधेरा छा जाना, खूब पसीना होना आदि-आदि। पर ये लक्षण और भी कुछ कारणों से भी दिखाई देते हैं। इसलिए हमें सटीक निदान करने की आवश्यकता जरूरी है ताकि हम इसका उपचार भी सही तरीके से और समय से कर सकें।

लो ब्लड शुगर (Low blood sugar) का सही निदान हम रक्त में सुगर की मात्रा को चेक करके ही कर सकते हैं। इसके लिए हमारे पास दो विकल्प होते हैं- एक तो हम अपना ग्लूकोमीटर से हम चेक करें। दूसरा पैथालोजी लेबोरेटरीज में जाकर अपना रक्त निकलवाकर परिक्षण की जा सकती है।

लेबोरेटरी में कभी कभी चेक कराना सम्भव नहीं होता है, और रिपोर्ट मिलने में समय लगता है। इसलिए अपना ग्लूकोमीटर में चेक कर लेना ज्यादा उपयोगी है परन्तु कभी कभी ग्लूकोमीटर को अगर समय प्रति समय कालिब्रेशन (Calibration) नहीं किया गया है, तो गलत रीडिंग भी दिखा सकता है। इसलिए तीन-चार महिने में एक बार अपना ग्लूकोमीटर कालिब्रेशन कराते रहें और लेबोरेटरी में हम जाकर अपना सुगर चेक कराते हैं। तुरन्त अपना ग्लूकोमीटर भी साथ लेकर जाएं और स्वयं ग्लूकोमीटर से शुगर चेक करे तथा लेबोरेटरी की रीडिंग के साथ टैली (मिलान) कर लें। अगर 10 वा 20 मिग्रा. का अन्तर है तो ठीक है परन्तु ज्यादा अन्तर होने से हम धोखें में रह सकते हैं।

संपर्क: बीके जगतजीत मो. 9413464808 पेशेंट रिलेशन ऑफिसर, ग्लोबल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, माउंट आबू, जिला- सिरोंही, राजस्थान

अगर रक्त में शुगर की मात्रा 70 मिग्रा से कम है तो हम उसे लो ब्लड शुगर (Hypoglycemia) कह सकते हैं। जब-जब रक्त की मात्रा कम हो जाती है हमारे Vital organ जैसे की मस्तिष्क (Brain), हृदय (Heart), वृक्क (kidney) आदि को भी शुगर की मात्रा कम पहुंचने के कारण फिर अनेकानेक लक्षण दिखाई देते हैं। शुगर की मात्रा रक्त में जैसे-जैसे कम होती जाती है तो क्या-क्या लक्षण दिखाई दे सकते हैं उसका विवरण निम्न प्रकार का है।

- रक्त में शुगर की मात्रा और उसके लक्षण 80 मिग्रा% - इन्सुलिन का क्षरण कम होना।
- 70मिग्रा%-गलुकागन हॉर्मोन का क्षरण बढ़ जाना।
- 60 मिग्रा%-धड़कन तेज हो जाना, घबराहट होना, पसीना निकलना, बी.पी बढ़ जाना
- 50 मिग्रा%- समय, स्थान का सुदबुध खोना, सामने के व्यक्ति को न पहचानना।
- 40 मिग्रा%- नींद का अनुभव होना, उंचते रहना।
- 30 मिग्रा%- बेहोश होना।
- 20 मिग्रा%- मिर्गिबात का शुरू होना।
- 10 मिग्रा%- मृत्यु।

बिन्दु

- 1- यह शुगर की मात्रा जब लेबोरेटरी में चेक किया जाता है तब ही सटीक होता होता है, ग्लूकोमीटर में व्यतिक्रम हो सकता है।
- 2- अगर किसी को बार-बार लो ब्लड शुगर (Hypoglycemia) होता है तो कुछ समय के बाद उसे कोई भी लक्षण अनुभव नहीं होता और व्यक्ति अचानक बेहोश हो भी जाता है।
- 3- अगर किसी का शुगर की मात्रा लम्बे समय तक बढ़ा हुआ रहता है और सही उपचार के कारण शुगर जब सामान्य हो जाता है तो भी लो ब्लड शुगर का लक्षण महसूस होने लगता है। इसलिए जब भी लक्षण के कारण मन में शंका है कि रक्त में शुगर की मात्रा कम हो गया है तो तुरन्त ही ग्लूकोमीटर से चेक कर लेना उचित है। बिना चेक किए अगर कुछ न कुछ खाना मुख में लेते हैं तो शुगर की मात्रा पुनः बढ़ जाती है। अब हम अगले लेख से जानेंगे कि लो ब्लड शुगर का उपचार क्या है।

क्रमशः...



राजयोग मेडिटेशन, मूल्य शिक्षा को जीवन में अपनाकर आज हजारों युवाओं के जीवन को नई दिशा मिली है...



डॉ. बबीता
फरिदाबाद

जीवन में अच्छी-बुरी घटनाओं का जिम्मेवार मेरा संकल्प

शिव आमंत्रण। मैं पिछले 15 वर्षों से मेडिटेशन का अभ्यास कर रही हूँ। सारी बीमारियों का कारण कहीं न कहीं हमारे संकल्प ही है जो हमारे शरीर को प्रभावित करते हैं। मैंने बहुत लोगों की काउंसिलिंग की और उनसे उनके मन में छुपे संकल्पों

को बाहर लाने का प्रयास किया। उसके बाद हुआ यह कि जो रोग ठीक नहीं हो रहे थे मेडिटेशन अभ्यास से उनके बाडी हीलिंग प्रक्रिया तेज हो गयी और दवाओं का असर भी तेज हो गया। लोग जल्दी ठीक भी होने लगे। इसलिए हमें कभी भी अपनी फीलिंग को दबाके नहीं रखना है। किसी की बात बुरी लगी तो ऐसा नहीं कि सबके सामने उनको कुछ गलत बोल दिया, नहीं जब वे मिले तो उनको आप बड़े प्यार से बोलो कि मुझे आप से पांच मिनट बात करनी है। आपने यह बात क्यों कहा, उस मैटर को उसी दिन खत्म करना है। खान-पान भी ठीक रखना है। बाकि आलस्य अलबेलापन तो हमारे अटेंशन से ही खत्म हो जाता है।



बीके मनोज
मुंबई, महाराष्ट्र

हर समस्या का समाधान परमात्मा के पास है

शिव आमंत्रण। 2013 में ईश्वरीय ज्ञान मिला। 2016 के एक दुर्घटना में मेरा सिर पूरा फट गया और दांत भी टूट गए। मैं मृत्यु के एकदम निकट पहुंच गया था। अस्पताल में डॉक्टरों ने छः-सात घंटे मेरी सर्जरी कर 40 टांके लगाये। उस समय जब दुर्घटना

हुई तब मेरी बेटी की 12वीं की परीक्षा थी। मुझे चिंता होने लगी कि मेरे कारण उसका रिजल्ट खराब न हो जाए। मैंने परमात्मा को अमृतवेले अपनी समस्या बताई। परमात्मा ने मेरी बात सुनी और उसका फल भी दे दिया। मेरी बेटी गॉर्दिया में टॉप पोजिशन पर आ गई। गोल्ड मैडल से उसका सम्मान भी किया गया। वाह बाबा वाह! यह लिखते समय मेरी आंखों में परमात्मा के प्यार व मदद के आंसू बह रहे हैं। बच्ची का एडमिशन बीजेटीआई गवर्मेंट कॉलेज, मुंबई में हो गया और स्कॉलरशिप भी मिल गई परन्तु होस्टल नहीं मिला। फिर मैंने बाबा को अर्जी लगाई। बाबा ने मेरी अर्जी मंजूर की और बच्ची को बहुत विपरीत परिस्थितियों में भी होस्टल मिल गया।

त्रिपुरा के सीएम ने भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल की साइकिल रैली में आए जवानों को किया संबोधित ब्रह्माकुमारी बहनें दुनियाभर में श्रेष्ठ रीति-नीति, सद्भाव, संस्कार का विकास कर रही हैं: सीएम



कार्यक्रम को सम्बोधन के बाद सम्मान प्राप्त करते सीएम बिप्लब देब, रैली को खाना करते सीएम तथा नीचे सभा में उपस्थित लोग।

■ **शिव आमंत्रण | आबू रोड।** कश्मीर में 370 धारा को कोई हाथ नहीं लगाता था, हर कोई डरता था लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के अगुवाई में ये धारा हटने से कश्मीर में शांति और विकास हो रहा है। देश और कश्मीर की शांति भी पसंद नहीं आ रही है। जो लोग देश को डिस्टर्ब करना चाहते हैं उन्हें जरूर सबक मिलेगा। उक्त उद्गार त्रिपुरा के मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब ने व्यक्त किये। वे देश की आजादी के अमृत महोत्सव के तहत लेह से गुजरात के केवडिया तक जाने वाली आईटीबीपी के जवानों की साइकिल रैली को झंडी दिखाने के बाद कही। उन्होंने कहा कि इस तरह की रैली से देश भक्ति और देश निर्माण को मजबूती मिलेगी। हमें हौसला आफजाई करना चाहिए। ब्रह्माकुमारी संस्थान की बहनें देश और दुनिया भर में श्रेष्ठ रीति नीति, सद्भाव, संस्कार का विकास कर रही हैं। इससे जीवन



अच्छ बनता है। निश्चित ही इससे समाज में सकारात्मक बदलाव आयेगा। यहाँ का मंत्र है अच्छ सोचो श्रेष्ठ सोचो।

साइकिल रैली के कोऑर्डिनेटर तथा आईटीबीपी के डिप्टी कमांडेंट अजय शर्मा व आबू रोड रेवदर विधायक जगसीराम कोली ने भी संबोधित किया। संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके संतोष ने कहा

कि राजयोग ध्यान से हमारा जीवन अच्छा बन जाता है। इसलिए प्रतिदिन इसे अपनायें। संस्थान के कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय ने कहा कि हमारे देश के जवानों से ही हमारा देश सुरक्षित है। लेकिन मनुष्य मन के अन्दर व्याप्त बुराईयों से भी सुरक्षा करना है। मुख्यमंत्री ने हरी झंडी दिखाकर गुजरात के केवडिया जाने के लिए खाना किया।

बीके डॉ. दीपक हरके भारत गौरव अवार्ड से सम्मानित



भारत गौरव पुरस्कार स्वीकारते हुए डॉ. दीपक हरके।

■ **शिव आमंत्रण | वाराणसी।** उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित रुद्राक्ष इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में कांफ्लुएंस एनजीओ द्वारा अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन दिवस के उपलक्ष्य में भारत महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महाराष्ट्र -अहमदनगर से ब्रह्माकुमारी के राजयोग अभ्यासी डॉक्टर बीके दीपक हरके को भारत के प्राचीन राजयोग के प्रसार और प्रचार के लिए स्वास्थ्य गुरु और कॉरपोरेट लाइफ कोच डॉ. मिकी मेहता ने भारत गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया। इस अवसर पर वाराणसी के वरिष्ठ राजयोग शिक्षक बीके विपिन उपस्थित रहे जिन्होंने डॉ. मिकी मेहता को ईश्वरीय सौगात भेंट की तथा संस्था के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय माउंट आबू आने का निमंत्रण दिया।

शिव ज्ञान से तरित आत्माएं ही हैं नौ चैतन्य देवियों का रूप



सूरत के कार्यक्रम में बीके भगवान एवं अन्य अतिथि।

■ **शिव आमंत्रण | सूरत।** गुजरात के सूरत में नवरात्री के पावन पर्व पर रुधानाथपुरा के सोनी समाज भवन में चैतन्य देवियों की झांकी कार्यक्रम में सभा को संबोधित करते हुए बीके भगवान ने कहा, नवरात्र का भावनात्मक अर्थ है दुर्गा के नौ रूपों की नौ दिनों तक पूजा-अर्चना और नवरात्र का आध्यात्मिक अर्थ है नव या नए युग में प्रवेश करने से ठीक पहले की ऐसी घोर अधियारी रात्रि, जिसमें शिव अवतरीत होकर मनुष्यात्माओं के पतित अवचेतन मन (कुसंस्कार) का ज्ञान अमृत द्वारा तरण (उद्धार) कर देते हैं। अवतरण अर्थात् अवचेतन का तरण। ऐसी तरित-आत्माएं फिर चैतन्य देवियों के रूप में प्रत्यक्ष हो कर कलियुगी मनुष्यों का उद्धार करती हैं। बालाजी रोड सेवाकेंद्र द्वारा आयोजित इस आयोजन में मुख्यालय माउंट आबू से वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षक बीके भगवान, महिला मंडल की प्रमुख पूर्णिमा जरीवाला, उद्योगपति एवं सोनी समाज भवन के ट्रस्टी परेश पटेल, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके फाल्गुनी समेत कई गणमान्य लोग, आगतुक एवं बीके सदस्य उपस्थित रहे जिन्हें नवरात्री का आध्यात्मिक रहस्य एवं सकारात्मक चिंतन पर बीके भगवान ने उद्बोधित किया। उन्होंने बताया की शिवरात्रि होती है, फिर नवरात्रि और फिर नवयुग आता है। मां दुर्गा को शिव-शक्ति कहा जाता है।

आबूरोड स्टेशन की सफाई की बागडोर ब्रह्माकुमारीज को सौंपी

ब्रह्माकुमारीज संस्थान को फिर 5 वर्ष के लिए भारतीय रेलवे ने सफाई की बागडोर सौंपी

■ **शिव आमंत्रण | आबूरोड** रेलवे स्टेशन राजस्थान के सिरोही जिले में स्थित है और उत्तर पश्चिमी रेलवे के अजमेर मंडल के अंतर्गत आता है। यह माउंट आबू स्थित लोकप्रिय हिल स्टेशन का प्रवेश द्वार है। आध्यात्मिक प्रवीण ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय ने आबूरोड स्टेशन के इंटीग्रेटेड मशीनीकृत सफाई कार्य का सम्पूर्ण जिम्मा एक बार फिर 5 साल के लिए ले लिया है। इसके लिये पूर्व में 15.07.2017 को ब्रह्माकुमारीज और



भारतीय रेलवे के बीच एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए थे। आज पुनः 5 वर्ष के लिए इस कार्य हेतु एमओयू पर हस्ताक्षर व एमओयू का आदान-प्रदान किया गया। मंडल रेल प्रबंधक श्री नवीन कुमार परसुरामका की गरिमामयी

उपस्थिति में आज वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री विवेक रावत और ब्रह्माकुमारीज से बीके सोमशेखर ने एमओयू का आदान-प्रदान किया। मंडल रेल प्रबंधक अजमेर नवीन कुमार परसुरामका ने कहा कि यह भारतीय रेलवे

में अनूठी पहल है जहां एक आध्यात्मिक संगठन ने एक स्टेशन की सफाई का जिम्मा लिया है। इस कदम ने सिद्ध किया है कि निजी संगठन भी अपनी भावनात्मक व सामाजिक जिम्मेदारियों के अन्तर्गत स्टेशनों के विकास में अपना योगदान दे सकते हैं। इस सफाई काम के दायरे में प्लेटफार्मों की सफाई, प्रतीक्षालय, वेंटिंग हॉल, सभी कार्यालयों, पटरियों और परिचालित क्षेत्र शामिल किये गए हैं। संस्थान को एक विश्व स्तर के स्टेशन बनाने के लिए और यात्रियों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए विभिन्न यात्री सुविधाओं और अन्य सुविधाओं सफाई प्रदान करना है।

तीन दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा संपन्न



■ **शिव आमंत्रण | लहेरियासराय (दरभंगा)।** दरभंगा बिहार के लहेरियासराय में राजयोगिनी बीके कंचन बहन के द्वारा तीन दिवसीय श्रीमद्भागवतगीता का कार्यक्रम संपन्न हुआ। जहां हजारों की संख्या में लोग लाभान्वित हुए।

तीन दिवसीय चैतन्य देवी दर्शन एवं बटुकम्मा कार्यक्रम



एक्जिबिशन का उद्घाटन करने आए अतिथि श्रीनिवास यादव के साथ भाई-बहनें।

■ **शिव आमंत्रण | सिकंदराबाद।** तेलंगाना के सिकंदराबाद में तीन दिवसीय चैतन्य देवी दर्शन, स्पिरिचुअल एक्जिबिशन एवं बटुकम्मा कार्यक्रम का आयोजन बीके मंजू के निर्देशन में किया गया। एक्जिबिशन का उद्घाटन एनिमल हसबैंडरी एवं फिशरीज के मिनिस्टर तलसानि श्रीनिवास यादव के बेटे के कर कमलों से हुआ जिसके पश्चात् रावण को जलाकर अपने विकारों का दान करने का सभी ने संकल्प किया।

बीके भाई-बहनें मोबाइल वैन से गांव-गांव देंगे नशामुक्ति का संदेश



स्वर्णिम भारत रथ को शिवध्वज दिखाकर रवाना करते अतिथि।

■ **शिव आमंत्रण | गढ़वाल।** उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र स्थित श्रीनगर निवासियों के प्रति नशा मुक्त उत्तराखंड करने के लिए मेरा उत्तराखंड, व्यसन मुक्त उत्तराखंड अभियान के द्वारा समस्त गढ़वाल ग्रामवासियों को मोबाइल वैन के जरिए जागरूक करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के तहत नशा मुक्ति की विस्तृत जानकारी प्रोजेक्टर शो के माध्यम से करीब 200 भाई-बहनें, बच्चे और अतिथियों की उपस्थिति में बीके राजीव ने देते हुए बताया, कि नशा एक मानसिक कमजोरी है जिसे सहज रीति से स्वयं की आंतरिक शक्तियों की अनुभूति से ठीक किया जा सकता है। इस मोबाइल वैन के जरिए थैरेसस कॉन्वेंट स्कूल, राजकीय इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, रिटायर्ड एसोसिएशन श्रीनगर, लक्ष कोचिंग इंस्टीट्यूट, गोल बाजार एवं कमलेश्वर गेट पर परमात्म ज्ञान के साथ नशा मुक्ति के कई उपाय विडियो शो के माध्यम से दिखाए गए जिससे कई लोगों को व्यसनों को त्यागने की प्रेरणा मिली। कार्यक्रमों को सफल बनाने में बीके प्रीति, बीके सुनीता, बीके अंकिता समेत कई लोगों का सहयोग रहा।

आंतरिक शक्ति बढ़ाने के लिए परमात्मा से संबंध जोड़ना अनिवार्य: बीके तापोशी



■ नव प्रशिक्षु पुलिस बल के जवानों को संबोधित करती बीके तापोशी।

■ **शिव आमंत्रण | वाराणसी।** नव प्रशिक्षु युवा पुलिस बल के जवानों के लिए यूपी वाराणसी के पुलिस लाइन में एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राजयोग द्वारा तनाव प्रबंधन एवं कार्य कुशलता विषय पर आयोजित कार्यक्रम में करीबन 600 नव प्रशिक्षु पुलिस बल के महिला एवं पुरुष जवानों की सहभागिता रही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बीके तापोशी ने कहा कि वर्तमान समय मानव अनेक चुनौतियों एवं समस्याओं से घिरा हुआ है। अपने आत्मिक स्मृति की विस्मृति के कारण भौतिकवाद की अंधी दौड़ में मृगतृष्णा के समान भटकता जा रहा है। आंतरिक सद्गुण और आत्मबल से शून्य होता हुआ मानव अपने को हर परिस्थितियों में विचलित और अधिर महसूस कर रहा है। ऐसे में राजयोग के द्वारा खुद को आंतरिक शक्तियों से सम्पन्न बनाने के लिए परमात्मा से सम्बन्ध जोड़ना अनिवार्य है। अपने अनुभव साझा करते हुए बीके डॉ. कीर्ती ने कहा, राजयोग के बल पर हम अपने कार्य व्यवहार में संतुलन और व्यवहार में दिव्यता लाकर व्यक्तित्व में असाधारण विकास कर सकते हैं। क्योंकि राजयोग से हमारे जीवन में मानसिक शीतलता और शक्ति की अभिवृद्धि होती है। कार्यक्रम में पुलिस लाइन ट्रेनिंग सेण्टर के प्रभारी आशीष भदौरिया ने संस्था के समाज के हित के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए बीके बहनों का आभार व्यक्त किया। बीके राजू ने संस्था का परिचय दिया। अंत में सभी को राजयोग का अभ्यास कराया गया।

कोविड-19 के बाद का सुप्रशासन **चुनौतियां एवं सम्भावनाएं** विषय पर कार्यक्रम सम्पन्न

पुलिस अधिकारियों और बंदियों को बताए राजयोग मेडिटेशन के टिप्स



■ **शिव आमंत्रण | अमृतसर।** पंजाब में अमृतसर के लॉरेंस रोड सेवाकेंद्र द्वारा एसएसपी रूरल पुलिस ऑफिस में एम्पावरिंग माइंड, राजयोग मेडिटेशन विषय के तहत कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस अवसर पर एसपी अमनदीप कौर, डीएसपी बलदेव सिंह, डीएसपी अरविंदर सिंह, इंस्पेक्टर हरपाल सिंह समेत अन्य पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सेशन का लाभ लिया। इस कार्यक्रम को मुख्य वक्ता के तौर पर बीके डॉ. किरण एवं पॅथोलोजिस्ट बीके डॉ. मोनिका एवं बीके पवन ने पुलिस अधिकारियों एवं मुजरिमों को मेडिटेशन के टिप्स दिए। सबजोन प्रभारी बीके आदर्श के निर्देशन में यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

दिव्यांगों की मदद करना, सहयोग देना हमारा और प्रशासन का कर्तव्य है

■ **शिव आमंत्रण | रीवा।** मध्य प्रदेश के रीवा स्थित शांति धाम झिरिया सेवाकेंद्र पर विश्व सांकेतिक भाषा दिवस पर आयोजित परिचर्चा में कलेक्टर रीवा श्री. इलैयाराजा ने कहा कि ब्रह्माकुमारी बहनों ने इन बच्चों के लिए बहुत मेहनत की है। इन बच्चों को आगे सभी मुख्य कंपनियों में, संस्थानों में रोजगार दिलाया जाएगा और प्रशासन द्वारा पूरी मदद की जाएगी। इनकी मदद करना, सहयोग के लिए कार्य करना हमारा और प्रशासन का पहला पुनीत कर्तव्य है। परिचर्चा में प्रमुख अतिथियों में जिला कलेक्टर इलैयाराजा, सुभाष कुमार शर्मा, दीपशिखा श्रीवास्तव, भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी के उपाध्यक्ष एके खान, लक्ष्मी एजुकेशन सोसाइटी से सोनाली श्रीवास्तव समेत कई गणमान्य लोक उपस्थित रहे। 2021 के अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस का विषय रहा 'हम मानवाधिकारों के लिए हस्ताक्षर करते



■ परिचर्चा में उपस्थित अतिथि।

हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ संगीतकार नीलेश श्रीवास्तव के सुमधुर भजनों द्वारा हुआ। सभी ने परमात्मा को याद करके श्रेष्ठ कार्य करने का संकल्प लिया। इसके साथ-साथ ही वक्ता के रूप में देवेन्द्र दिवेदी, शाहिद परवेज, राज लाखन पटेल ने कहा कि इन बच्चों के प्रति

सभी शांति पूर्वक व्यवहार करें एवं उनका सहयोग करें और आत्मनिर्भर और सम्मान दिलाने में पूरा पूरा सहयोग करें। धीरज मिश्रा, जयप्रकाश गुप्ता, रंजना श्रीवास्तव एवं देवेन्द्र त्रिवेदी को सम्मानित किया गया। समाजसेवी राज राखन पटेल ने आभार व्यक्त किया।

नशामुक्ति संदेश के बाद किया गया वृक्षारोपण का श्रेष्ठ कार्य



■ नशामुक्ति कार्यक्रम में शामिल लोग।

■ **शिव आमंत्रण | सिमडेगा।** ओडिशा के राउरकेला स्थित कोयलनगर सेवाकेंद्र द्वारा 'मेरा भारत व्यसन मुक्त भारत' और सेव ह्युमानिटी बाय क्लिन द माइंड एंड ग्रीन द अर्थ थीम के अंतर्गत नशा निवारण के कार्यक्रमों को एस. एस. उच्च विद्यालय, बानो एवं झारखण्ड सिमडेगा के कृषि विज्ञान केन्द्र में आयोजित किया गया। बीके जयश्री के मार्गदर्शन में इन कार्यक्रमों के तहत नशा मुक्ति की जानकारी बीके राजीव, बीके चित्तरंजन ने दी। इसमें करीब 300 छात्रों और 150 सिमडेगा प्रान्त के कृषकों ने भाग लिया। अंत में सभी को मेडिटेशन का अभ्यास कराया गया तो विद्यालय परिसर में करीब 20 फलदार वृक्षों के पौधे लगाए गए। इन दौरान कृषि विज्ञान केन्द्र, सिमडेगा के कृषि विभाग वैज्ञानिक डॉ. पंकज सिंह, पशु विभाग वैज्ञानिक डॉ. शंकर कुमार सिंह, मिट्टी विभाग वैज्ञानिक डॉ. हिमांशु सिंह, प्रधानाचार्य अनुग्रह कुमार पण्डा शामिल हुए।

दिव्य समर्पण: शिवलिंग को वरमाला पहनाकर बनाया अपना जीवनसाथी



■ भगवान शिव को अपना साथी स्वीकार करती बीके ममता।

■ **शिव आमंत्रण | शाजापुर (मप्र)।** प्रत्येक मां-बाप का सपना होता है कि उसकी लाडली को अच्छे घर और वर मिल जाये जिससे उसका कन्यादान कर उसे नयी जिन्दगी शुरू करने का आशीर्वाद दें। परन्तु एमपी के हरायपुरा शाजापुर में एक ऐसे माँ बाप ने लाडली का कन्यादान किया जिसे लोगों का सिर गर्व से ऊंचा हो गया। ब्रह्माकुमारी संस्थान शाजापुर सेवाकेंद्र पर राजयोग का अभ्यास करने वाली बीके ममता ने आजीवन परमात्मा शिव को साक्षी मानकर शिवलिंग के गले में वरमाला डाली और खुद को ईश्वरीय सेवा अर्थ परमात्मा शिव को पूरा जीवन सौंप दिया। इस मौके पर भोपाल जेन प्रभारी बीके अवधेश इस पूरे मामले की गवाह बनीं। साथ ही सेवाकेंद्र प्रभारी बीके पूनम, बीके चन्दा, बीके दीपक भाई समेत कई लोग उपस्थित थे।

बच्चों की प्रतिभा निखारने लिए करेंगे हर संभव प्रयास



सभा को सम्बोधित करते अतिथि एवं उपस्थित श्रोतागण।

■ **शिव आमंत्रण | आबू रोड।** शारीरिक शिक्षकों के लिए ब्लाक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के लिए आयोजित कार्यशाला में बच्चों की प्रतिभा को निखारने पर विस्तार से चर्चा हुई। इसमें आबू रोड के प्रधान लीलाराम गरसिया ने कहा, कि ग्रामीण स्तरीय बच्चों की प्रतिभा निखारने के लिए हर सम्भव प्रयास किया जायेगा। चाहे वह खेल का मैदान हो या उनकी सुविधायें हर सम्भव मदद की जायेगी। वे ब्रह्माकुमारी संस्थान के मनमोहिनीवन स्थित ग्लोबल ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यशाला में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, कि ग्रामीण स्तर पर स्कूलों के खेलकूद के लिए मैदान उपलब्ध कराना जरूरी है। इसलिए बच्चों के खेलों से लेकर अन्य चीजों की कमी नहीं आने दी जायेगी। इस अवसर पर जिला परिषद के सदस्य हरीश चौधरी ने कहा, कि खेलकूद में शामिल शारीरिक शिक्षकों को बच्चों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। किसी भी बच्चे के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय नहीं होना चाहिए। जिला परिषद की तरफ से जो भी सहयोग होगा वह किया जायेगा। आबू रोड के उपप्रधान ललित सांखला ने कहा, कि हमारी सोच है कि आबू रोड से अच्छे खिलाड़ी निकले और राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनायें। इसके लिए हम सबको मिलकर प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम में सीडीओ भोपाल रामपुरोहित, ब्रह्माकुमारी के पीआरओ बीके कोमल, कार्यक्रम संयोजक ईश्वर सिंह राव, ब्लाक समन्वयक विरेन्द्र त्रिवेदी, कबड्डी संघ के अध्यक्ष सागरमल खंडेलवाल, पंचायत समिति सदस्य आबू रोड रणजीत सिंह समेत कई लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान शांतिवन की राजयोग शिक्षिका बीके कृष्णा ने राजयोग मेडिटेशन कराया।

परमात्मा के संग के रंग से मिलता है दीर्घायु का वरदान



राजयोग का महत्व बताते हुए बीके आशा, साथ में बीके अनीता।

■ **शिव आमंत्रण | चित्तौड़गढ़।** राजस्थान में चित्तौड़गढ़ स्थित साईं इलेक्ट्रो सोसाइटी द्वारा ऋषिराज वाटिका में करवाचौथ के उपलक्ष में कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें ब्रह्माकुमारी को भी विशेष पर्व का आध्यात्मिक रहस्य स्पष्ट करने के लिए आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर प्रतापनगर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके आशा ने बताया, कि परमात्मा शिव के संग के रंग की अलौकिक मेहंदी हमें जन्म जन्म के लिए सुख-शांति-समृद्धि एवं दीर्घायु का वरदान देती है। बीके अनीता ने सभी को राजयोग का अभ्यास कराया। इस आयोजन में सोसाइटी अध्यक्ष डॉ संजय गिल, हरदीप कौर समेत कई लोग शामिल हुए एवं बीके बहनों का आभार व्यक्त किया।

हमीरपुर के कॉलेज-स्कूलों में विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने के लिए किया प्रेरित

तंबाकू के 40 खतरनाक द्रव्यों से होते हैं कैंसर रोग



नशामुक्त रहने की शपथ लेते छात्र।

■ **शिव आमंत्रण | राउरकेला।** हमीरपुर के सेंट पॉल स्कूल एवं मुंसीपल कॉलेज में आयोजित नशामुक्त कार्यक्रम में बीके राजीव ने बताया, कि नशा जीवन में धीरे-धीरे विकसित होने वाली ऐसी बीमारी है जिसकी शुरुआत अक्सर भारत में 12 से 25 उम्र तक के बच्चों में पाई जाती है। भारत में सक्रिय धूम्रपान से प्रति वर्ष

12 लाख और निष्क्रिय धूम्रपान से 8 लाख मौतें होती हैं। प्रति दिन भारत में 5500 नए युवा पहली बार तंबाकू का सेवन करना आरम्भ करते हैं। तंबाकू एक धीमा जहर है जिसमें 4000 रासायनिक द्रव्य होते हैं, जिनमें से 40 खतरनाक द्रव्यों से कैंसर रोग होते हैं। उसमें निकोटिन, कीटनाशक, कार्बन

मोनोऑक्साइड, कैडमियम, आर्सेनिक, मीथेन गैस, मेथेनॉल, एसीटोन आदि शामिल है। ओडिशा के राउरकेला में कोयलनगर सेवाकेंद्र द्वारा 'मेरा भारत व्यसन मुक्त भारत' की कड़ी में यह नशा निवारण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के तहत नशा मुक्ति की विस्तृत जानकारी दी।

व्यस्त जीवन शैली में सकारात्मक रहना सिखाती है राजयोग साधना



ईश्वरीय सौगात स्वीकारते हुए मंत्री अशोकराव चौहान।

■ **शिव आमंत्रण | देगलूर।** महाराष्ट्र के देगलूर में महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री एवं सार्वजनिक बांधकाम मंत्री अशोकराव चौहान ने कहा, ब्रह्माकुमारी द्वारा दी जानेवाली राजयोग साधना व्यस्त जीवन शैली में शांत और सकारात्मक रहने का सरल माध्यम है। ब्रह्माकुमारी के व्यसन मुक्ति के जैसे सामाजिक कल्याण के उपक्रम बहुत ही उपयुक्त और सराहनीय है। मैं स्वयं भी इस कार्यक्रम से प्रभावित हूँ। स्थानीय सेवाकेंद्र पर आगमन के बाद उन्होंने यह बात रखी। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके मेनका एवं बीके विद्या ने तिलक एवं पुष्पगुच्छ से स्वागत सत्कार किया। साथ ही ईश्वरीय सौगात देकर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर विधायक बसवराज पाटिल, नांदेड जिला कॉर्पोरेट बैंक के अध्यक्ष वसंतराव चौहान, पूर्व विधायक गंगाराम सौदागर मौजूद रहे।

सोच पर ध्यान देने से जीवन की समस्याएं होंगी समाप्त



अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ बीके ज्योति।

■ **शिव आमंत्रण | ग्वालियर (मप्र)।** जेवी मंगाराम फूड्स प्राइवेट लिमिटेड में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए पॉजिटिव एटिट्यूड एंड वर्क सेटिस्फैक्शन विषय के अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन किया गया। स्थानीय सेवाकेंद्र प्रभारी बीके ज्योति, राजयोग शिक्षिका बीके भावना एवं बीके जीतू ने कार्यक्रम में उपस्थित सभा को संबोधित करते हुए बताया, कि जैसा सोचोगे वैसे ही बन जाओगे। इसलिए हम क्या सोच रहे हैं और सामनेवाले को हमें क्या बोलना है इस पर ध्यान देंगे तो जीवन की बहुत सारी समस्याएं स्वतः ही खत्म हो जायेंगी। अंत में सभी को राजयोग अभ्यास कराया गया साथ ही सेवाकेंद्र पर आकर सात दिवसीय राजयोग कोर्स करने के लिए भी आमंत्रित किया गया।

संत समारोह

कुशलनगर भवन के उद्घाटन पर शांतावीर स्वामी के विचार

समाज को सशक्त बना रही है ब्रह्माकुमारीज

जीवन में आध्यात्मिक ज्ञान के महत्व को

उजागर कर एकाग्रता के स्तर में वृद्धि करना

■ **शिव आमंत्रण | कुशलनगर।** कर्नाटक के कुशलनगर में ईश्वरीय सेवाओं की वृद्धि एवं जन जन तक परमात्म सन्देश देने के लिए ज्ञान दर्शन भवन बनकर तैयार हो गया है।

भवन के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे अरामेरी मठ के श्री श्री शांतावीर स्वामीजी ने अपने संबोधन में कहा, कि ब्रह्माकुमारी संस्था जीवन में आध्यात्मिक ज्ञान के महत्व को उजागर कर एकाग्रता के स्तर में वृद्धि, सोच के पाठ्यक्रम को बदलने और सही निर्णय लेने के लिए सभी को सशक्त बना रही है। कार्यक्रम में मुख्यालय माउंट आबू से संस्था के मीडिया प्रमुख बीके करुणा, सीए बीके ललित, विधायक अप्पाचुरंजन, उद्योगपति भाइयों सतपन और विश्वनाथन के साथ डाइट



नये भवन के उद्घाटन पर शिव ध्वज फहराते हुए अरामेरी मठ के श्री श्री शांतावीर स्वामीजी तथा अन्य।

के प्रिंसिपल डीबी सुरेश भी मुख्य रूप से शामिल हुए।

भवन का उद्घाटन सभी अतिथियों द्वारा विधिवत् शिव ध्वजारोहण के साथ दीप जलाकर, रिबन काटकर एवं सभी बीके

सदस्यों की उपस्थिति में कुछ क्षण मेडिटेशन रूम में ध्यान कर सम्पन्न हुआ जिसके उपरान्त सभी अतिथियों का मैसूर सब्जो न प्रभारी बीके लक्ष्मी द्वारा ईश्वरीय सौगात भेंट कर स्वागत सत्कार किया गया।

मुख्यमंत्री को दिया मुख्यालय माउंट आबू आने का निमंत्रण-

गुजरात के मुख्यमंत्री से राजयोग पर की चर्चा



■ नये मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल से मुलाकात कर ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए बीके बहनें।

■ **शिव आमंत्रण | गांधीनगर।** गुजरात के गांधीनगर में सेक्टर 28 सेवाकेंद्र प्रभारी बीके कैलाश की अगुवाई में बीके बहनों ने मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल से मुलाकात कर बधाई दी तथा ईश्वरीय सौगात भेंटकर माउंट आबू आने का निमंत्रण दिया। इसके साथ ही सभी मंत्रियों से मुलाकात कर उन्हें पुष्पगुच्छ, शुभेच्छ पत्र, गाडली गिफ्ट, लिटरचर एवं प्रभु प्रसाद देकर उनका अभिवादन किया। आगे रूरल डेवलपमेंट एवं रूरल हाऊसिंग के मिनिस्टर अर्जुनसिंह चौहान, एजुकेशन साइंस एवं टेक्नोलॉजी के मिनिस्टर जितुभाई वघानी, फाइनेंस एनर्जी पेट्रोकेमिकल्स मिनिस्टर कानुभाई देसाई, कंज्यूमर प्रोटेक्शन मिनिस्टर नरेश पटेल से बीके बहनों ने मुलाकात की। ऐसे ही रोड एवं बिल्डिंग ट्रांसपोर्ट सिविल एविएशन मिनिस्टर पुर्नेश मोदी, एग्रीकल्चर एनिमल हसबैंडरी काऊ ब्रीडिंग मिनिस्टर राघवजी पटेल एवं होम एंड पुलिस स्पोर्ट्स यूथ सर्विसेज स्टेट मिनिस्टर हर्ष सांघवी से भी बीके बहनों ने स्नेहभरी मुलाकात कर मुख्यालय माउंट आबू आने का निमंत्रण दिया।

जो कार्य सरकार को करना चाहिए वह कर रही है ब्रह्माकुमारी संस्था



■ सुझी सेवाकेंद्र के तीसरे वार्षिकोत्सव पर शिवध्वज फहराते हुए अतिथि।

■ **शिव आमंत्रण | सुझी (हिमाचल प्रदेश)।** सुझी सेवाकेंद्र के तीसरे वार्षिकोत्सव पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ ने संदेश भेजकर बधाई दी। अहमदाबाद-गुजरात से बीके नेहा, माउंट आबू से वरिष्ठ राजयोगी बीके प्रकाश, बीके गोपी तथा सुझी उप सेवा केंद्र की बीके शकुंतला समेत कई लोगों की उपस्थिति में मनाया गया। भाजपा के कार्यकारी सदस्य डाक्टर प्रमोद शर्मा ने कहा कि जो कार्य सरकार को करना चाहिए वह ब्रह्माकुमारी संस्थान कर रही है। इस दौरान बीके राकेश, शिमला से बीके रजनी, अपरा फिलोर से बीके ज्योति, अहमदाबाद से बीके नंदा, जालंधर से बीके तृती, बीके मनीषा मुख्य रूप से मौजूद रहीं।

मेयर को दिया ईश्वरीय संदेश



■ **शिव आमंत्रण | अंबाला।** हरियाणा के अंबाला सेवाकेंद्र द्वारा आयोजित नवरात्रि के कार्यक्रम में मेयर श्रीमति शक्ति रानी नवरात्रि झांकी का उदघाटन करने के पश्चात बीके आशा से ईश्वरीय सौगात लेते हुए।

ब्रह्माकुमारीज की दुनिया ओम से शुरू हुई और ओम में ही समाई है



■ नये सेवाकेंद्र का भूमिपूजन करते हुए पूर्व सांसद प्रभु दयाल कठेरिया एवं अन्य अतिथि।

■ **शिव आमंत्रण | आगरा।** उत्तर प्रदेश के आगरा स्थित न्यू सुरक्षा विहार में नए सेवाकेंद्र का भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस स्थान पर आध्यात्मिक राह दिखाने वाले पथ प्रदर्शक सेवाकेंद्र की नीव स्थानीय सेवाकेंद्र से बीके संगीता, बीके मधु समेत अन्य बीके सदस्यों की उपस्थिति में रखी गयी। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सांसद प्रभु दयाल कठेरिया ने शिरकत की एवं विधिविधान के साथ भूमि पूजन का कार्य सम्पन्न हुआ। इस मौके पर प्रभु दयाल कठेरिया ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज एक बहुत अच्छी संस्था है। ये ईश्वरीय ज्ञान देकर हमें जीवन में आने वाली परिस्थितियों से कैसे समरस और संयम रखकर आगे चले ये सिखाती है। ये दुनिया ओम से शुरू है और ओम में ही समाई हुई है। इस कार्यक्रम में आए सैकड़ों लोगों ने भवन के निर्माण हेतु अपनी शुभकामनाएं दी।

सुपर कम्प्यूटर 'परम' के निर्माता डॉ. विजय ने सीखा राजयोग



■ केक काटते हुए विजय भाटकर एवं उपस्थित बीके परिवार।

■ **शिव आमंत्रण | अमरावती।** आईटी लीडर के नाम से प्रख्यात वैज्ञानिक, भारत के पहले सुपर कम्प्यूटर परम के निर्माता डॉ. विजय भाटकर ने हाल ही में महाराष्ट्र के अमरावती स्थित ब्रह्माकुमारीज के लोटस हाउस सेक्टर का अवलोकन किया। साथ ही राजयोग ध्यान का महत्व समझते हुए उन्होंने अपने जीवन में इसे अपनाने का संकल्प लिया। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके दुर्गा, बीके शुभांगी, बीके ज्योति ने आध्यात्मिक ज्ञान चर्चा की। इस दौरान पत्रकारों समेत कई बीके सदस्य उपस्थित रहे। बता दें कि विजय पाण्डुरंग भाटकर भारत के एक संगणक वैज्ञानिक, सूचना प्रौद्योगिकी के नेतृत्वकर्ता तथा शिक्षाविद हैं। वे भारत के परम नामक सुपर कम्प्यूटर के विकास का नेतृत्व करने के लिए जाने जाते हैं। उन्हें भारत सरकार ने पद्मभूषण तथा पद्मश्री किताब प्रदान किया है जबकि महाराष्ट्र सरकार ने उन्हें महाराष्ट्र भूषण से सम्मानित किया है।

बरमकेला सेवाकेंद्र:रैली से दिया स्वच्छता का संदेश

■ **शिव आमंत्रण | बरमकेला, छग।** बरमकेला सेवाकेंद्र द्वारा इंदिरा गली से बसस्टैंड तक रैली निकाली गई तथा लोगों को रास्तेपर झाड़ू लगाकर स्वच्छता संदेश दिया। बरमकेला सेवाकेंद्र द्वारा गांव के सफाई कर्मियों का फूलमाला, श्रीफल, प्रसाद एवं ईश्वरीय सौगात के साथ सम्मान किया। सफाई कर्मियों को स्वच्छता के महत्व के बारे में बताते हुए बीके सुनैना ने कहा, कि घर, गली, मोहल्ला, रोड की सफाई के साथ-साथ मन की सफाई भी जरूरी है। गंदगी सबसे पहले मन से शुरू होती है और मन की सफाई का एक ही स्रोत है सहज राजयोग। यह विधि सीखने के लिए बरमकेला सेवाकेंद्र में आने के लिए सबको उन्होंने आमंत्रित किया। साथ ही नगर पंचायत अध्यक्ष हेम सागर नायक, उपाध्यक्ष



रामकुमार नायक द्वारा सभी सफाई कर्मियों को प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया गया। उत्कृष्ट कार्य करनेवाले दो सफाई कर्मियों को प्रोत्साहन हेतु नगर पंचायत द्वारा तीन-तीन हजार रु. का

चेक देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर नगर पंचायत के अध्यक्ष हेम सागर नायक, उपाध्यक्ष रामकुमार नायक एवं बीके भाई-बहन, पार्षद गण, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

मंदिर पुजारियों से राजयोग मेडिटेशन पर की चर्चा



■ **शिव आमंत्रण | डिगावा मंडी।** हरियाणा के प्रसिद्ध पहाड़ी माता मंदिर के नवरात्री मेले में एक कार्यक्रम के दौरान मंदिर के पुजारियों को ईश्वरीय साहित्य भेंट करते हुए बीके शकुंतला, बीके पूनम एवं बीके मीनू।

सैदपुरक शाखा उद्घाटन पर बीके निर्मला के विचार-

शक्तियों का जागरण ही संस्था का लक्ष्य

■ शिव आमंत्रण । गाजीपुर (उप्र) । विश्व शान्ति एवं सद्भावना के क्षेत्र में वैश्विक मान्यता एवं अपनी अलग पहचान बनाने वाली ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा उत्तर प्रदेश के गाजीपुर स्थित सैदपुरक में नई शाखा का उद्घाटन सम्पन्न हुआ। सभा को सम्बोधित करते हुए गाजीपुर प्रभारी बीके निर्मला ने बताया कि जीवन में आध्यात्मिक जागृति द्वारा अन्तर्निहित आत्मिक शक्तियों को जागृत कर मानव को मानवता के सर्वोच्च स्वरूप तक पहुंचाना ही संस्था का लक्ष्य एवं उद्देश्य है। नए भवन का विधिवत् उद्घाटन दीप प्रज्वलन, केक काटकर, शिव ध्वजारोहण कर सभी बीके सदस्यों की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम में युवा शक्ति संगठन के प्रमुख सुनील यादव, सैदपुर की महिला समाजसेवी सिता सिंह, ब्लाक प्रमुख हिरालाल यादव, देवकली के ब्लाक प्रमुख उपेन्द्र सिंह यादव समेत कई गणमान्य उपस्थित लोगों ने भवन के प्रति अपनी शुभकामनाएं दीं।



■ युवा शक्ति संगठन के प्रमुख सुनील यादव तथा अन्य नई शाखा का उद्घाटन करते हुए।

स्वस्थ जीवन प्रणाली के लिए दिनचर्या में अपनाएं राजयोग



■ सभा को संबोधित करते बीके डॉ. मोहित दयाल गुप्ता।

■ शिव आमंत्रण । बीकानेर । राजस्थान के बीकानेर के सार्दुल गंज सेवाकेन्द्र पर स्वस्थ जीवन प्रणाली पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें दिल्ली जी. बी. पंत अस्पताल के प्रोफेसर व देश-विदेश में विख्यात हृदयरोग विशेषज्ञ, बीके डॉ. मोहित दयाल गुप्ता ने कहा, कि प्रतिदिन की दिनचर्या में ज्ञान योग और राजयोग का अभ्यास करें, किसी का दिल ना दुखाये, दरअसल डॉ. गुप्ता सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के किसी कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए एक दिवसीय बीकानेर यात्रा पर आए थे।

बीके डॉ. मोहित दयाल गुप्ता का संबोधन

ब्रह्माकुमारी संस्था बीकानेर की क्षेत्रीय केन्द्र प्रभारी बीके कमल ने कहा, कि यदि सम्पूर्ण स्वस्थ रहना है तो जीवन में संतुलन होना जरूरी है। इसके साथ ही आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग ध्यान को जीवन में अपनाना जरूरी है। इस अवसर पर गणमान्य नागरिक, चिकित्सक, शिक्षा विद, एडवोकेट मौजूद रहे।

चैतन्य नौ देवियों की लगाई झांकी



■ शिव आमंत्रण । गुमला । झारखण्ड के गुमला में नवरात्री पर लोहरदगा क्षेत्र के सांसद सुदर्शन भगत, भाजपा के कार्यकारी सदस्य सविंदर सिंह जी एवं भाजपा नेत्री शकुंतला देवी, भूतपूर्व सैनिक कल्याण संघ अध्यक्ष सद्देव महतो उपस्थित रहे। अवसर पर प्रभारी बीके शांता ने सभी नगर वासियों को इन रहस्यों को जानने के लिए संस्थान की स्थानीय शाखा पर आने का आमंत्रण दिया।

हम दूसरों के लिए उदाहरण बन जाएं



■ सभा को संबोधित करते हुए बीके पीयूष।

■ शिव आमंत्रण । नई दिल्ली । भारत सरकार का प्रतिष्ठान नई दिल्ली के टेलीकम्युनिकेशन कन्सलटेंट्स इंडिया लिमिटेड (टीसीआईएल) के राष्ट्रीय कार्यालय में लीडरशिप क्वालिटीज विषय पर आयोजित संगोष्ठी का आयोजन किया गया। बीके पीयूष ने बताया, कि हमें कुछ नया करने की आवश्यकता है। हम ऐसा करें जो दूसरों के लिए उदाहरण बन जाएं। प्रातः शीघ्र उठना, रात्रि जल्दी सो जाना एवं दिन में कई बार मेडीटेशन का अभ्यास करने से हमारे अंदर लीडरशिप योग्यताएं विकसित होती हैं। सबरे उठकर कुछ समय के लिए मौन रखने से बुद्धि का विकास होता है। सहन करने की शक्ति, सामना करने की शक्ति, विस्तार को संकीर्ण करने की शक्ति, निर्णय शक्ति आदि शक्तियां आने से हमारे व्यक्तित्व में निखार आता है और हम विपरीत परिस्थितियों में संतुलन बनाए रखते हैं। लोधी रोड सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके गिरिजा ने संस्थान की पूर्व प्रमुख दादी जानकी का उदाहरण देते हुए बताया, कि कैसे छोटी छोटी बातों को ध्यान में लाने से हम जीवन में बड़े बदलाव ला सकते हैं। तत्पश्चात् कमेंट्री द्वारा गहन राजयोग का अभ्यास कराया गया। टीसीआईएल, नई दिल्ली के सीएमडी श्री. संजीव कुमार ने ब्रह्माकुमारीज की मुक्त कंठ से महिमा करते हुए कहा, कि आज ऐसे संस्थानों की समाज को नई दिशा देने में महती भूमिका है। मानसिक संतुलन अत्यंत आवश्यक है। मेडिटेशन आज की सभी समस्याओं से मुक्त होने की कुंजी है।

सम्मान समारोह

बसवा विश्वविद्यालय के लिए शिक्षा में मूल्य पर कार्यशाला

ब्रह्माकुमारीज है इस धरती का स्वर्ग: डॉ. दाक्षायिणी

■ शिव आमंत्रण । गुलबर्गा । कर्नाटक के गुलबर्गा स्थित बसवा विश्वविद्यालय के व्याख्याताओं तथा प्राध्यापकों के लिए शिक्षा में मूल्य विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के गुलबर्गा सेवाकेन्द्र पर आयोजित इस कार्यशाला में शरणबसव विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. निरंजन निस्ती, ब्रह्माकुमारीज संस्थान के समाज सेवा प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक बीके प्रेम, शरणबसवेश्वर संघ की अध्यक्ष मातोश्री डॉ. दाक्षायिणी एस. अप्पा, सबजोन प्रभारी बीके विजय समेत करीबन चार सौ लोग शामिल हुए। वर्तमान समय में शिक्षा से समाप्त होते संस्कारों के पुनर्स्थापना के लिए शिक्षा में मूल्य विषय पर आयोजित



■ ईश्वरीय सौगाद स्वीकारते हुए संत शरणबसवप्पा की युगल डॉ. दाक्षायिणी तथा अन्य अतिथि।

सम्मेलन का दीप जलाकर उद्घाटन किया गया। इस कार्यक्रम में आये अतिथियों ने कहा, कि वर्तमान समय मूल्य अति आवश्यक है। इससे ही हम समाज को एक बेहतर समाज बना

सकते हैं। ब्रह्माकुमारीज संस्थान का योगदान अतुलनीय है। डॉ. दाक्षायिणी ने सम्पूर्ण कैम्पस का अवलोकन किया और कहा, यह तो इस धरती पर स्वर्ग ही है।

युगलों का किया गया सम्मान



■ दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि।

■ शिव आमंत्रण । उदयपुर । राजस्थान के उदयपुर में 25 युगलों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर ब्रह्माकुमारीज कि संयुक्त मुख्य प्रशासिका बीके डॉ. निर्मला, राजस्थान सबजोन प्रभारी बीके पूनम, महाराजकुमार लक्ष्यराज सिंह जी मेवाड़, मेवाड़ महामंडलेश्वर रास बिहारी शरण और आयुर्वेदिक कॉलेज के प्रिंसिपल दीक्षित के हाथों सभी का सम्मान एवम स्वागत उदयपुर सेवाकेन्द्र की संचालिका बीके रीटा एवं अतिथियों के हाथों किया गया।

परमात्म अवतरण होते ही शुरू होता है आसुरी वृत्तियों का विनाश



■ पुलिस सब इन्स्पेक्टर को इश्वरीय सौगाद देते हुए बीके बबीता।

■ शिव आमंत्रण । भरतपुर । राजस्थान के रूपवास में भव्य रूप से नवरात्री का त्यौहार मनाया गया। विनायक कॉलोनी रूपवास स्थित सेवा केन्द्र पर चैतन्य नौ देवियों की झांकीयों का भव्य आयोजन किया गया। बीके बबीता ने चैतन्य नौ देवियों का आध्यात्मिक रहस्य स्पष्ट करते हुए कहा, जब सृष्टि पर अत्याचार, भ्रष्टाचार, आसुरी वृत्तियों का, बुराइयों का चारों तरफ हाहाकार होने लगता है तब निराकार परमात्मा परम ज्योति शक्ति रूप से दैवी ज्योति का प्रदुर्भाव हुआ जिससे संसार से आसुरी वृत्तियों और विकारों का नाश होकर पुनः दैवी समाज, दैवी गुणों से युक्त मानव हृदय का निर्माण हो रहा है। उन्ही दिव्य गुण और दिव्य शक्तियों से नई दुनिया सतोप्रधान दुनिया की स्थापना हुई जिस की यादगार में हर वर्ष दैवी माँ की अखंड ज्योति जगा कर जागरण करते हैं। व्रत, पूजा, दर्शन कर पुनः स्वयं में जागृती लाते हैं। घर घर में घट स्थापन करते हैं, हृदय में परमात्मा प्रीत को स्थापित कर श्रेष्ठ कर्मों के बीज बो कर आत्मा का परमात्मा से मिलन कर जीवन सुख शांति से भरपूर करते हैं। पुलिस सब इन्स्पेक्टर जयप्रकाश ने कहा, चैतन्य देवियों को देखकर मैंने शक्ति का अनुभव किया। मैं अपने को भाग्यशाली समझता हूँ। सरपंच श्री. वीर बहादुर ने कहा, हमारे भारतवर्ष में इस शक्ति रूप की महिमा की जाती है और आज मैं यहाँ पर उसका अनुभव कर रहा हूँ। बालिका कु. तनु ने नृत्य प्रस्तुत किया।

हरियाणा के निस्सिंग सेवाकेंद्र से अनेकों लोगों का बदला जीवन

ईश्वरीय सेवाओं के 32 साल पूरे होने पर निकाली शोभायात्रा



भव्य शोभा यात्रा में शामिल भाई-बहनें।

संयमित जीवन जी रहे भाई-बहनों का किया सम्मान

शिव आमंत्रण | निस्सिंग। हरियाणा में निस्सिंग सेवाकेंद्र द्वारा आध्यात्मिक प्रचार प्रसार कर हजारों लोगों को पथ प्रदर्शित करते हुए सेवाकेंद्र के 32 वर्ष हो गए हैं। इस अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम मल्ली गार्डन निस्सिंग में रखा गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से निस्सिंग सेवाकेंद्र के 32 वर्ष पूर्ण होने, सेवाकेंद्र प्रभारी बीके निर्मल के 35 वर्ष की सेवाओं की उपलब्धि और

सेवाकेंद्र से जुड़े भाई बहनों को ईश्वरीय सेवा में 25 वर्ष से ऊपर हो गए हैं उनके लिए सिल्वर जुबली व सम्मान समारोह का प्रोग्राम भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पंजाब जोन की इंचार्ज बीके प्रेम भी पहुंची।

इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सोनालाक पेट्रस लिमिटेड के एमडी राधे श्याम गर्ग एवं किरण गर्ग, नेशनल डेरी रिसर्च इंस्टिट्यूट के प्रिंसिपल साइंटिस्ट डॉ. अवतार सिंह, अमरनाथ सेवा मण्डल निस्सिंग के प्रधान सतीश गोयल रहे तो कैथल सबजोन प्रभारी बीके पुष्पा, करनाल सैक्टर 7 सेवाकेंद्र

प्रभारी बीके प्रेम, करनाल सन्त नगर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके लक्ष्मी, ज्ञान मान सरोवर पानीपत के डायरेक्टर बीके भारत भूषण व आस पास के सभी बीके सेवाकेंद्रों से बीके बहने एवं भाई उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आरम्भ में पुरानी अनाज मंडी निस्सिंग से मल्ली गार्डन तक एक विशाल व भव्य शोभा यात्रा निकाली गई, जब यह शोभा यात्रा गुरुद्वारा रोड़ी साहब पहुंची तो गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने सरोपे डाल कर बहनों का सम्मान किया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गयीं तो वहीं सभी अतिथियों एवं बीके बहनों का स्वागत सत्कार भी किया गया।

पंजाब के उप मुख्यमंत्री को दिया राजयोग मेडिटेशन का संदेश



डिप्टी चीफ मिनिस्टर सुखबीर सिंह बादल को ईश्वरीय सौगात देती हुई बीके मीनाक्षी।

शिव आमंत्रण | लुधियाना। पंजाब के लुधियाना में पंजाब के डिप्टी चीफ मिनिस्टर एवं शिरोमणि अकाली दल पार्टी के प्रेसिडेंट सुखबीर सिंह बादल से स्थानीय सेवाकेंद्र से राजयोग शिक्षिका बीके मीनाक्षी, बीके हैप्पी एवं बीके उषा ने मुलाकात कर उन्हें ईश्वरीय सन्देश दिया। साथ ही संस्था की गतिविधियों से अवगत कराया।

राजयोग अपनाकर जीवन को दिव्य गुणों और शक्तियों से करें भरपूर



कमंडेंट राहुल कुमार को ईश्वरीय सौगात देते हुए बीके सुदर्शन।

शिव आमंत्रण | जम्मू। जम्मू के बीसीरोड सेवाकेंद्र द्वारा सुसाइड प्रिवेंशन एंड स्ट्रेस रिडक्शन विषय पर सीआईएसएफ के जवानों के लिए उनके कार्यालय में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कमंडेंट राहुल कुमार इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। लेह लद्दाख में ब्रह्माकुमारीज की प्रभारी बीके सुदर्शन ने सदैव सकारात्मक विचारों का ही स्मरण करने आह्वान इस मौके पर किया और अंत में राजयोग को जीवन शैली में अपना कर अपना जीवन दिव्य गुण और शक्तियों से भरपूर करने की भी प्रेरणा दी।

ज्ञान और शांति से मन को हरा-भरा और संपन्न बनाओ



ज्ञानशिखर में नवनिर्मित डिवाइन विजडम स्पीचुअल आर्ट गैलरी का अवलोकन करते हुए मुनिश्री कमल कुमार।

शिव आमंत्रण | इंदौर। इंसान के मन में अशांति ही सब बातों का कारण है। स्वस्थ पर्यावरण के लिए पेड़ पौधे लगाकर हरियाली लाने के साथ-साथ ज्ञान और शांति से मन को हरा भरा सम्पन्न बनाओ तो पर्यावरण के साथ मन से भी प्रदूषण मिटेगा और स्वस्थ पर्यावरण का निर्माण होगा। इंसान पहले इंसान है बाद में हिन्दू-मुस्लमान। यह विचार रखे आचार्य महाश्रमण के आज्ञानुवर्ती जैन मुनि श्री कमल कुमार ने इंदौर के ज्ञानशिखर में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि आप शांत हो जाओ, समस्या अपने आप मिट जाएगी। मैं मानवता और इन्सानियत की बात करता हूँ और जहां मानवता होगी वहां सब

निकट आ जाएंगे। इंदौर जोन की मुख्य क्षेत्रीय समन्वयक बीके हेमलता ने कहा कि आत्म ज्ञान को भूल कर देह के भान में आने से हमारे मन में विकारों के विचार आ जाते हैं, इसलिए पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने के लिए मन को शुद्ध सात्विक विचारों से सम्पन्न बनाना होगा। कालानी नगर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके जयंती, प्रेमनगर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शशि ने भी संबोधित किया। अनुव्रत समिति इंदौर के अध्यक्ष नीलेश पोखरना व मंत्री मनीष कठोतिया तथा ब्रह्माकुमारी संस्था एवं जैन समाज के सदस्य उपस्थित रहे। मुनिश्री ने डिवाइन विजडम स्पीचुअल आर्ट गैलरी का अवलोकन किया।

परमात्म याद से जितनी चाहो अपनी भाग्य की रेखा खींच लो

शिव आमंत्रण | जंदाहा-वैशाली। ब्रह्माकुमारीज की ओर से बिहार के जंदाहा-वैशाली में दशहरा के अवसर पर चैतन्य देवियों की झांकी निकाली गई इस कार्यक्रम का उद्घाटन करने जंदाहा थाना के प्रभारी और विमल प्लाजा कैम्पस के मालिक और जंदाहा सेवाकेंद्र प्रभारी बीके



चैतन्य देवियों की झांकी कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन कार्यक्रम पर उपस्थित अतिथि।

खुशबू उपस्थित रहे। जंदाहा थाना के प्रभारी ने बताया संस्था समाज की उन्नति के लिए बहुत अच्छे कार्य कर रही हैं। विमल प्लाजा कैम्पस के मालिक ने बताया कि यह चैतन्य देवियों की झांकी को देखकर आज सच में हमें साक्षात् देवियों के दर्शन

होने का अनुभव हो रहा है। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके खुशबू ने बताया, कि परमात्मा इस सृष्टि पर आ चुके हैं और आप हमारे सेवा केंद्र पर आ कर परमात्मा का सही परिचय प्राप्त करो और अपने जीवन की भाग्य रेखा जीतनी चाहो खींच लो।

चैतन्य देवियों की मनमोहक झांकी सजाई

शिव आमंत्रण | इस्लामपुर-महाराष्ट्र।

नवरात्रि के उपलक्ष में सेवाकेंद्र पर उपस्थित चैतन्य देवियां।



जबलपुर के कार्यक्रम में बताए स्वास्थ्य के विविध उपाय...

कैंसर का कारण है अव्यवस्थित जीवन प्रणाली और तनावयुक्त जीवनशैली



दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि।

शिव आमंत्रण

जबलपुर (मप्र)। अव्यवस्थित जीवन प्रणाली एवं तनाव युक्त जीवनशैली के कारण कैंसर रोग जनमानस में बढ़ता ही जा रहा है। इसी की जागरूकता के लिए मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित नापिएर टाउन सेवाकेंद्र द्वारा शिव स्मृति भवन में स्त्रीरोग विशेषज्ञ संघ, इंडियन मेनोपॉज सोसाइटी एवं संस्था के संयुक्त तत्वाधान में विशेष महिलाओं के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस

अवसर पर कैंसर रोग सर्जन डॉ. प्रीति जैन ने स्तन कैंसर के जांच के लिये प्रत्येक मास में एक निश्चित दिन स्व परीक्षण स्वयं करने की विधि बतलाई। डॉ. अर्चना श्रीवास्तव ने गर्भाशय के कैंसर के बारे में पॅप स्मिअर एवं एच.पी.वी. वैक्सीन की जानकारी दी। डॉ. सोनल साहनी ने गर्भाशय के मुख के कैंसर को कैसे कम किया जाये एवं प्रारंभिक अवस्था में क्या जांच की जाये इस संबंध में जानकारी दी। मेडिकल कॉलेज के डॉ. श्यामजी रावत ने मेडिटेशन के लाभ के बारे

में कहा। बीके वर्षा ने मेडिटेशन का अभ्यास कराया। डॉ. पुष्पा पांडे एवं डॉ. निधि जैन ने कार्यक्रम का संचालन किया। मेडिकल कॉलेज की पूर्व डीन डॉ. शशि खरे, डॉ. गीता गुडन, डॉ. चित्रा जैन, डॉ. रिचा बहरानी, डॉ.अलका अग्रवाल, एलिंगन की पूर्व अधीक्षक डॉ. निशा साहू, डॉ. स्वराज नायक, डॉ. संगीता श्रीवास्तव, डॉ. नीना श्रीवास्तव ने इस कार्यक्रम में अपने विचार रखे। बीके भावना ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति रही।

स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्थ व स्वच्छ समाज का निर्माण कर सकता है



नाड़ी जांच करते हुए आयुर्वेदाचार्य जतिंदर कुमार, बीके वसुधा एवं अन्य।

शिव आमंत्रण। कादमा। हरियाणा के कादमा में उत्तरी क्षेत्र की निदेशक रही अचल दीदी के सातवें स्मृति दिवस पर निःशुल्क नाड़ी जांच शिविर तथा दिव्य प्रवचनमाला का स्थानीय सेवाकेंद्र पर आयोजन हुआ। इस अवसर पर आयुर्वेदाचार्य जतिंदर कुमार ने कहा, कि नाड़ी शरीर में सही काम कर रही हैं तो हम स्वस्थ हैं। एक स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्थ व स्वच्छ समाज का निर्माण कर सकता है। उन्होंने कहा, कि हमारा शरीर नाड़ी प्रणाली से ही बंधा व जुड़ा हुआ है इसलिए अगर हम स्वस्थ रहना चाहते हैं तो सात्विक, योगिक व आयुर्वेदिक जीवन पद्धति को अपनाना होगा। डॉ. जतिंदर ने लोगों को शारीरिक योग के साथ-साथ आयुर्वेदिक दवाओं व खानपान से स्वस्थ रहने के तरीके बताए जिससे हम अपने मानसिक, शारीरिक स्वास्थ्य को बनाए रख सकते हैं तभी हम एक स्वस्थ समाज की कल्पना कर सकते हैं। शिविर का उद्घाटन करते हुए कादमा क्षेत्र प्रभारी बीके वसुधा ने कहा, कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क वास करता है। योगी व आयुर्वेदिक जीवन शैली से ही हम भारत को पुनः विश्व गुरु बना सकते हैं। अपनी दिनचर्या में राजयोग को शामिल कर जीवन को तनाव मुक्त, आनंदमय बना सकते हैं। इस अवसर पर उपस्थित सभी भाई बहनों ने अचल दीदी के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए और उनके पद चिन्हों पर चलने का संकल्प लिया। शिविर में 120 लोगों का नाड़ी जांच से स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

शिव ज्ञान दर्शन भवन बनेगा आध्यात्मिक उन्नति का केन्द्र



नये शिव ज्ञान दर्शन भवन का उद्घाटन करते हुए सुतुर मठ के शिवरात्रि स्वामी तथा अन्य अतिथि।

शिव आमंत्रण। मैसूर। मैसूर के टी नरसीपुर में नवनिर्मित शिव ज्ञान दर्शन भवन का उद्घाटन सुतुर मठ के शिवरात्रि स्वामी, ब्रह्माकुमारीज संस्थान के मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष बीके करुणा, सीए बीके ललित, मैसूर सबजोन प्रभारी बीके लक्ष्मी समेत कई विशिष्ट लोगों के कर कमलों से किया गया। इस अवसर पर शिवरात्रि स्वामी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान लोगों में राजयोग ध्यान से आध्यात्मिक उर्जा का संचार कर रही है। यह भवन निश्चित तौर पर आध्यात्मिक उन्नति का केन्द्र बनेगा। लोगों के कल्याण के लिए बना बहुमंजिला सेवाकेंद्र के उद्घाटन पर संत समाज से लेकर सभी वर्गों के लोगों की उपस्थिति के बीच आध्यात्मिक वातावरण में जयघोष से पूरा माहौल आध्यात्ममय हो गया। राजयोग साधना के बीच भक्ति भाव की भी सरिता बह उठी। संतों ने यह उम्मीद जताई कि निश्चित तौर पर इस भवन से लोगों के जीवन में बदलाव आयेगा। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज संस्थान के मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष बीके करुणा समेत कई लोगों ने अपने विचार व्यक्त कर शुभकामनाएं दी। आयोजित समारोह में मैसूर जोन की प्रभारी बीके लक्ष्मी ने सभी को शुभकामनाएं दी तथा उपस्थित अतिथियों को ईश्वरीय सौगात भेंटकर सम्मानित किया।

बीएसएफ कैंप में 80 लोगों ने लिया राजयोग का लाभ

शिव आमंत्रण। कोहिमा। नागालैंड के कोहिमा स्थित बीएसएफ कैंप में विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम का 50 से 75 के बीच की आयु के करीबन 80 लोगों ने लाभ लिया। स्थानीय सेवाकेंद्र प्रभारी बीके रूपा ने तन के साथ मन को स्वस्थ रखने के लिए व्यायाम के साथ राजयोग को जीवनशैली में धारण करने का आह्वान किया तो वही बीके डॉ. मेरी ने सायकोथेरेपी ट्रीटमेंट और बीके भंजराम ने सूर्यनमस्कार करने के कई लाभ समझाए।



राजयोग के लाभ बताते हुए बीके रूपा। उनके साथ बीके डॉ. मेरी और बीके भंजराम तथा शारीरिक एक्सरसाइज करते हुए वरिष्ठ नागरिक।

मानसिक स्वास्थ्य व नशामुक्ति के लिए राजयोग है रामबाण

कोरबा स्वास्थ्य शिविर में महापौर राजकिशोर के विचार

शिव आमंत्रण। कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर आंतरिक शांति अनुभूति केन्द्र में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर एवं परिचर्चा का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि नगर निगम महापौर राजकिशोर प्रसाद ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य व नशा मुक्ति के लिये राजयोग रामबाण है। यह सभी औषधियों के ऊपर है। मैं भी राजयोग से लाभान्वित हूँ। कोरबा क्षेत्र को व्यसन मुक्त एवं खुशहाल बनाने के लिये संस्था और नगर पालिका निगम के संयुक्त प्रयास से कार्य योजना बनायेंगे, जिसे फलीभूत करने के लिये मेरा सम्पूर्ण प्रयास रहेगा। अक्षय



निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन करते अतिथि।

हॉस्पिटल, कोरबा के डॉ. के. सी. देबनाथ ने कहा मानसिक बीमारी 90 प्रतिशत से अधिक बढ़ चुकी है, जोकि एक ज्वलन्त समस्या है। चिकित्सक और उनके द्वारा दिये गये परामर्श से सम्पूर्ण मानसिक स्वास्थ्य सम्भव नहीं है। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके

रुक्मिणी ने कहा, कि राजयोग तन और मन दोनों को स्वस्थ रखता है। दिनचर्या में यदि हम 15 मिनट भी इसका अभ्यास करें तो बहुत लाभकारी होगा। मंच का संचालन शेखर राम ने किया तथा राजयोग का अभ्यास बीके बिन्दु ने करवाया।

वर्ल्ड हार्ट डे कार्यक्रम में डॉक्टरों की सलाह

व्यर्थ बातें दिल में नहीं रखो और जो ठेस पहुंचाएं उन्हें दिल से बाहर करो



सभा को संबोधित करते हुए बीके ममता। साथ में अतिथि डॉक्टर।

शिव आमंत्रण | मंडला। मध्य प्रदेश के मंडला सेवाकेंद्र द्वारा विश्व शांति भवन में हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, उच्च कोलेस्ट्रॉल से बचने के लिए एवं स्वस्थ रहने के लिए जानकारी देने हेतु वर्ल्ड हार्ट डे कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें वरिष्ठ बाल विशेषज्ञ डॉ. प्रल्हाद छत्री, भूतपूर्व जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. हर्ष करमाहे, जनरल फिजिशियन डॉ मयंक प्रजापति ने समझाया कि कभी भी व्यर्थ की और जो बातें हमें ठेस पहुंचाएं उन्हें दिल में नहीं बिठाना चाहिए और जो हमें पसंद नहीं उसे दिल से नहीं लगाना चाहिए। कार्यक्रम में सेवाकेंद्र प्रभारी बीके ममता ने बताया की प्रभु के संग में चलते रहने से हर बीमारी, हर समस्या व परेशानी को पार कर सकते हैं। साथ ही जीवन में व्यायाम, सात्विक आहार को अपनाने की उन्होंने सभी से प्रतिज्ञा कराई।

सकारात्मक रहने से रोग रहते हैं दूर



आपका स्वास्थ्य आपके हाथों में कार्यक्रम में शामिल अतिथि।

मंदसौर के कार्यक्रम में डॉक्टरों की सलाह

शिव आमंत्रण | मंदसौर। मध्य प्रदेश के मंदसौर स्थित ब्रह्माकुमारीज के तलेरा विहार कॉलोनी सेवाकेंद्र के आत्म कल्याण भवन में आपका स्वास्थ्य आपके हाथों में विषय के तहत कार्यक्रम का आगाज किया गया

जिसमें मुख्य अतिथियों में मंदसौर विधायक यशपाल सिंह सिंसोदिया, स्थानीय सिविल हॉस्पिटल अधीक्षक डॉ. राठौर, महेश्वरी नर्सिंग होम से सर्जन डॉ. गोविंद छपरवाल, चेलावत हॉस्पिटल से कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. शुभम चेलावत, कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. सुरेश जैन ने सभा में उपस्थित सभी लोगों को स्वस्थ रहने के टिप्स देने के साथ सदैव सकारात्मक

रहने की सलाह दी। कार्यक्रम में आगे संस्था के मेडिकल प्रभाग की जोनल कोर्डीनेटर एवं इंदौर के ओम शांति भवन से वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके उषा ने विषय के अंतर्गत सभा को मार्गदर्शित किया साथ ही अपने खानपान पर ध्यान देने तथा शारीरिक व्यायाम एवं मानसिक तनाव को दूर करने के लिए ध्यान करने का आह्वान किया।

राजयोग से प्राप्त होती है संपूर्ण स्थिरता कैबिनेट मंत्री को



सभा को संबोधित करते हुए बीके कुसुम।

शिव आमंत्रण | नरसिंहपुर। मध्यप्रदेश में नरसिंहपुर सेवाकेंद्र की झांकी का शुभारंभ जिला एवं सत्र न्यायाधीश महेश कुमार शर्मा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश संजय गुप्ता, एडीशनल एस.पी. सुनील शिवहरे एवं नरसिंहपुर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके कुसुम ने दीप प्रज्वलित कर किया। साक्षात् मां दुर्गा, मां लक्ष्मी, मां सरस्वती, मां उमा, मां वैष्णवी और साथ में ब्रह्माकुमारी विराजमान हैं। झांकी अत्यंत मनोहारी, आकर्षक एवं जीवन्त हैं। झांकी का आध्यात्मिक रहस्य बीके कुसुम ने बताया, कि यह साक्षात् शिव से निकली हुई शिव शक्तियां, ब्रह्माकुमारी बहने हैं, जिन्होंने सतत राजयोग साधना के बल से तन एवं मन की स्थिरता की सिद्धि प्राप्त की हुई है। राजयोग के अभ्यास से स्थिरता की सिद्धि प्राप्त होती है अर्थात् पूर्ण एकाग्रता आती है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश महेश कुमार शर्मा ने बताया, कि आज के समय में 3-4 घंटे एकाग्रता के साथ बैठना और चेहरे से भी वह दिव्यता दिखाई देना बहुत मुश्किल है।

कैबिनेट मंत्री को ईश्वरीय सौगात प्रदान की



शिव आमंत्रण | सिंधुपुर। मध्य प्रदेश के सिंधुपुर सेवाकेंद्र पर नवरात्रि के चैतन्य झांकी के उद्घाटन कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री ब्रजेंद्र प्रताप सिंग को ईश्वरीय सौगात देते हुए पत्रा सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सीता।

महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री से बीके बहनों की मुलाकात



स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए बीके करीना, बीके प्रतिभा एवं बीके डॉ. दीपक हरके।

शिव आमंत्रण | मुंबई। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे को उनके मलबार हिल स्थित निवास स्थान पर बीके करीना, बीके प्रतिभा और बीके डॉ. दीपक हरके ने मुलाकात की। बीके प्रतिभा ने महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे को संस्था द्वारा अंधेरी में हॉस्पिटल द्वारा कराई जाने वाली सेवाओं की जानकारी दी। बीके करीना ने उन्हें ईश्वरीय परिचय दिया और ईश्वरीय सौगात दी तथा संस्था की गतिविधियों से अवगत कराकर माउंट आबू आने का ईश्वरीय निमंत्रण दिया। श्री. टोपे ने निमंत्रण का स्वीकार किया और कहा कि वो जल्द ही माउंट आबू आयेंगे।

जितने श्रेष्ठ बोलों के बीज बोते हैं उतनी अंदर से निखरती है श्रेष्ठता



कार्यशाला में शामिल अतिथि।

दिव्य गुणों से श्रृंगार विषय पर बीके संताप के विचार

शिव आमंत्रण | पुणे। पुणे के पिसोली स्थित जगदम्बा भवन में समय की पुकार, दिव्य गुणों से श्रृंगार विषय के तहत कार्यशाला का आयोजन दीप प्रज्वलन से किया गया। जगदम्बा भवन की निदेशिका बीके सुनंदा के निर्देशन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। आपको बता दे की यह एक बारा मास का प्रोजेक्ट है जिसके अंतर्गत विविध कार्यक्रम पुरे वर्ष आयोजित किये जायेंगे। इस मौके पर संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका बीके संतोष ने कहा, हमारे बोल ऐसे होने चाहिए जिससे सामनेवालों में चेतना आ जावे, उमंग-उत्साह बढ़ जावे। वह तभी हो सकते हैं जब वह ज्ञानयुक्त हो। जैसा जैसा हम

श्रेष्ठ बोल के बीज बोते हैं उतना उतना हमारे अंदर वह श्रेष्ठता आती जाती है। हमें उसके मीठे फल खाने को मिलते हैं। हम श्रेष्ठ बोल बोलते हैं तो उसका रिस्पांस भी सामने से श्रेष्ठ ही मिलता है। इसीलिए शिव बाप ने हमारा वाणी के ऊपर बहुत ध्यान खिंचवाया है। वाणी से तुम कभी भी झूठ नहीं बोल सकते हैं क्योंकि तुम सत्य बाप के बच्चे हैं। सत्य बाप के होने के कारण तुम्हारे बोल में सदा सत्यता होनी चाहिए। बीके सुनंदा ने कहा कि ब्रह्माकुमार बनने के बाद व्यक्ति में अंदर-बाहर से अनेक बदलाव आते हैं। लेकिन हमारा लक्ष्य सिर्फ उतना ही नहीं। ब्राह्मण बनने के बाद फरिश्ता सो देवता बनना यह भी लक्ष्य है। शिव बाप गुप्त हैं लेकिन उसकी प्रत्यक्षता का आधार ही है दिव्य गुणों से भरा हुआ कर्म। इस दौरान बीके दशरथ ने भी संबोधित किया।

देवियों की झांकी से दिया संदेश



शिव आमंत्रण | रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायपुर में सजी चैतन्य देवियों की झांकी का दीप जलाकर उद्घाटन करते हुए क्षेत्रीय निदेशिका बीके कमला, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके सविता एवं पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. केसरीलाल वर्मा।

विश्व शांति सरोवर रिट्रीट सेंटर के तीन वर्ष पूरे होने पर कार्यक्रम आयोजित



विश्व शांति सरोवर का तीसरा वर्धापन दिनी केक काटते हुए नागपुर सबजोन प्रभारी बीके रजनी एवं अन्य भाई-बहनें।

शिव आमंत्रण | नागपुर। नागपुर के जामठा स्थित विश्व शांति सरोवर ने विश्वकल्याण करते एवं सैकड़ों लोगों को आध्यात्मिकता का मार्ग प्रशस्त करते 3 वर्ष पूरे किए हैं, जिसका तीसरा वर्धापन दिवस वर्तमान कोविड त्रासदी को ध्यान में रखते हुए सिर्फ सेंटर निवासी भाई बहनों एवं सेवाकेंद्र से जुड़े लोगों के बीच मनाया गया।

कार्यक्रम में नागपुर सबजोन प्रभारी बीके रजनी, वसंत नगर सेवाकेंद्र से वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके मनीषा, वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षक बीके प्रकाश, रिट्रीट सेंटर के टेकनिकल प्रोजेक्ट कंसल्टेंट प्रकाश टटोले ने विभिन्न वर्गों की सेवायें सम्पन्न करने भविष्य के लिए इस रिट्रीट सेंटर को अपनी शुभकामनाएं दी साथ ही रिट्रीट सेंटर की संकल्पना को

साकार रूप देने वाली दिवंगत पुष्पारानी दीदी को भी सभी ने याद किया। आपको बता दें की तीन साल पूर्व इस आध्यात्मिक वास्तु का विधिवत उद्घाटन ब्रह्माकुमारीज की पूर्व प्रशासिका दिवंगत राजयोगिनी दादी जानकी के करकमलों से सम्पन्न हुआ था। इसमें सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गयीं।

बच्चों को किया व्यसनों के दुष्परिणाम के बारे में जागरूक



व्यसनमुक्ति के बारे में छात्रों को सुजाग करते हुए बीके सुशिला।

शिव आमंत्रण | मुंद्रा-कच्छ। गुजरात के मुंद्रा में अदानी फाउंडेशन एवं ब्रह्माकुमारीज के संयुक्त तत्वाधान में राजयोग दिलाएगा व्यसनों से मुक्ति थीम के अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन एम वाय सी के वल्लभ विद्यालय में सम्पन्न हुआ। एम वाय सी युसूफ मेहेरल्ली सेण्टर एक एनजीओ है जो असहाय बच्चों को शिक्षा प्रदान करता है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मजदुर एवं गरीब इलाके के बच्चों में व्यसनों से बचने की जागृति फैलाना रहा जिसको स्थानीय सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सुशीला ने संबोधित किया। इस अवसर पर अदानी फाउंडेशन के प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर मनहर जी, डॉ. नरेन्द्र डोडिया, मेडिकल सुपरवाइजर बीके विजय एवं बीके विनोद समेत कई लोग उपस्थित रहे।

चैतन्य देवियों की झांकी से दिया ईश्वरीय संदेश



शिव आमंत्रण | बलिया/बिहार। बिहार के बलिया में चैतन्य देवियों की झांकी के कार्यक्रम में राजयोगिनी बीके रानी मुजफ्फरपुर को सम्मान करते हुए बीके कंचन साथ में बीके विभा और अन्य।

ब्रह्माकुमारीज में शांति और खुशी का अनुभव होता है: विधायक



ब्रह्माकुमारीज के सेवाकेंद्र का अवलोकन करते हुए विधायक तेजपाल सिंह नागर।

शिव आमंत्रण | नोएडा। यूपी के ग्रेटर नोएडा में छपरौला के चित्रांश कृष्णा कुंज सोसायटी में नवनिर्मित शिव मंदिर का उद्घाटन किया गया। मंदिर का उद्घाटन करने आये गौतम बुद्ध नगर विधायक तेजपाल सिंह नागर ने स्थानीय सेवाकेंद्र का अवलोकन करते हुए कहा, कि जब भी मैं ब्रह्माकुमारीज संस्थान में आता हूँ तो बड़ी शांति और खुशी का अनुभव होता है। यहाँ सबको प्रतिदिन आना चाहिये और इस पवित्र स्थान का लाभ लेना चाहिए। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके सुधा ने ईश्वरीय सौगात भेंट की।

आसुरी शक्ति पर दैवी शक्ति की विजय



झांकी के साथ मंत्री शशि श्रेष्ठ तथा भाई-बहनें।

शिव आमंत्रण | काठमांडू। नवरात्री पर नेपाल के काठमांडू में लैंड मैनेजमेंट पावर्टी एलिविएशन मंत्री शशि श्रेष्ठ ने विजया दशमी यानि असत्य पर सत्य कि विजय, आसुरी शक्ति पर दैवी शक्ति कि विजय एवं आनाचार, अत्याचार पर न्याय और सदाचार कि विजय का पर्व बताया।

नई राहें

बीके पुष्पेन्द्र
संयुक्त संपादक, शिव आमंत्रण

आपसी संवाद से संबंधों को मिलेगी संजीवनी

एक आदर्श व्यक्तित्व को संपूर्ण बनाने में 16 कला में संवाद भी एक कला है। इस कला में जो सुधीजन जितना निपुण, होशियार और माहिर होता है उसके संबंधों की नींव उतनी ही मजबूत और स्थायी होती है। पारिवारिक रिश्तों में असंतुलन, विघटन और तनाव का एक कारण आपसी संवाद का अभाव भी है। जिन परिवारों में आपसी संवाद जितना स्पष्ट और प्रेमपूर्ण होता है उनकी नींव उतनी ही विश्वास और भरोसे की कसौटी पर खरी होती है। आज जिंदगी की भागमभाग में हमारे पास इतना भी समय नहीं बचा है कि परिवार के सदस्यों के साथ दो वक्त बैठकर वार्तालाप कर सकें। एक-दूसरे के दिल का हाल जान सकें। वह किस मानसिक पीड़ा और दर्द से गुजर रहे हैं, इसका हमें ज्ञान ही नहीं है। संवाद की कमी से जब रिश्तों में जंग लग जाती है तो धीरे-धीरे उनकी बुनियाद भी कमजोर होने लगती है। रिश्तों की ये दीमक उन्हें बर्बादी के दामन में धकेल देती है। ऐसे में जरूरत है तो परिवार के साथ समाज में बेहतर संवाद बनाए रखने की ताकत रिश्तों में गर्माहट बनी रही।

संवाद की कमी से जब रिश्तों में जंग लग जाती है तो धीरे-धीरे उनकी बुनियाद भी कमजोर होने लगती है।

संवाद पर टिका है पिता-पुत्र का रिश्ता

पिता-पुत्र की विचारधारा में आपसी मतभेद का कारण एक पीढ़ी के फासले के साथ संवाद की कमी भी है। पिता-पुत्र में आपसी संवाद जितना प्रगाढ़ होगा तो सामंजस्य उतना ही बेहतर होगा। क्योंकि जब किसी मुद्दे पर परिवार के सदस्य बैठकर विचार-मंचन करते हैं तो निश्चित रूप से उसके कई पहलु निकलकर सामने आते हैं। इसके माध्यम से हम बेहतर से बेहतर समाधान ढूँढ लेते हैं। वहीं मां, बेटी के साथ सहेली की तरह व्यवहार करती हैं तो निश्चित मानिए की वह जीवन में आने वाली प्रत्येक समस्या पर आपसे जरूर संवाद करेगी। रिश्तों में ऊर्जा भरने के लिए संवाद एक सेतु की तरह है।

माता-पिता बच्चों से हर मुद्दों पर करें बात

माता-पिता को चाहिए कि वह अपने बच्चों के साथ उनके भविष्य में आने वाली परिस्थितियों के साथ जीवन के हर पहलु पर संवाद करें। इससे उनके गलत मार्ग पर जाने की संभावना नगण्य हो जाती है। वह अपनी हर छोटी-बड़ी समस्या पर माता-पिता से खुलकर बात कर पाते हैं। उनमें आत्म विश्वास के साथ निर्भयता आती है। कई बार बच्चे डर और भय के माहौल में मन की बात नहीं कह पाते और धीरे-धीरे कुंठा का शिकार होकर हीनभावना से ग्रसित हो जाते हैं।

संवाद में मनोस्थिति का विशेष महत्व

कई बार हमारे किसी के प्रति शब्द अच्छे होते हैं लेकिन मन में उनके प्रति वह शुभ भावना नहीं होती है। ऐसे में सामने वाले व्यक्ति को आपके बाइब्रेशन महसूस होते हैं और हमारी बात का सामने वाला व्यक्ति गलत अर्थ निकाल लेता है। इसलिए संवाद में मनोस्थिति का विशेष महत्व है। यदि संवाद के दौरान हमारी मनोस्थिति सकारात्मक है तो उसी तरह के बाइब्रेशन सामने वाले को महसूस होते हैं। इसलिए जीवन में सभी के साथ सौहार्द्रपूर्ण रिश्तों को बनाए रखने के लिए संवाद का होना अनिवार्य और पहली शर्त है।

आत्मा का परमात्मा पिता से संवाद

व्यक्ति से व्यक्ति का संवाद जीवन में अहम है तो आत्म ज्योति का परमात्म ज्योति से संवाद आत्मा के उत्थान और कल्याण के लिए अहम है। कितने समय से खुद का खुद से और परमात्मा पिता से संवाद नहीं हुआ है? आत्मा का हाल नहीं जाना है? कब से अपने मन की गहराइयों तक नहीं पहुंचे हैं? मन को मारते ही जा रहे हैं कि उसे सुधारने की ओर भी कदम बढ़ाए हैं? वहीं प्रभु पिता भी आपके दिल का हाल सुनने के लिए रोज प्रतीक्षा में रहते हैं। राजयोग मेडिटेशन ही वह विधा, जरिया और सेतु है जो आत्मा का परमपिता परमात्मा से संवाद कराती है।

ट्राफलगर स्क्वायर में राजस्थानी घूमर और गरबा के बीच मनी दीवाली



दीवाली त्यौहार का दीप प्रज्ज्वलन कर उद्घाटन करते हुए लंदन के मेयर सादिक खान तथा कार्यक्रम देखने के लिए भव्य संख्या में उपस्थित दर्शक।

■ **शिव आमंत्रण** | **लंदन**। इस वर्ष लंदन में फिर से ट्राफलगर स्क्वायर में सर्व धर्मों के द्वारा रोशनी का त्यौहार दीवाली मनाया गया। समारोह का आरम्भ पारम्परिक राजस्थानी घूमर नृत्य एवं भव्य गरबा नृत्य से हुआ। लंदन की दीवाली समिति, जिसमें 12 हिन्दू संस्थाओं के साथ ब्रह्माकुमारीज लंदन के मेयर सादिक खान के सहयोग से इस समारोह का आयोजन हर साल किया जाता है, जिसमें ब्रह्माकुमारीज भी मुख्य रूप से शामिल होते हैं। ब्रह्माकुमारीज का प्रतिनिधित्व बीके जैमिनी द्वारा किया गया। कड़कड़ाती ठण्ड के बावजूद इस वर्ष पूरा समारोह शांतिपूर्वक और

हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। भव्य वीडियो स्क्रीन पर ब्रह्माकुमारीज की संयुक्त मुख्य प्रशासिका बीके जयंती का दिवाली का सन्देश सुनाया गया जिसमें उन्होंने सबको याद दिलाया, कि हम आत्मा हैं और ईश्वर हमारा है चाहे हम कोई भी भाषा बोलें। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि सदा खुश रहना ही भाग्यशाली रहना है। ब्रह्माकुमारीज द्वारा एक विशेष 'देवियों के दर्शन' का पंडाल भी लगाया गया जिसमें शक्ति के चक्र को घुमा कर भीतर की शक्ति को जागृत करना, तिलक और मुकुट धारण कर 'अपने भीतर के देवी' का अनुभव करना यह बातें शामिल थीं।

ब्रह्माकुमारी नोनी ने किया प्रे फॉर पेरू का प्रतिनिधित्व



प्रे फॉर पेरू कार्यक्रम में उपस्थित राजयोग शिक्षिका बीके नोनी।

■ **शिव आमंत्रण** | **लिमा**। पेरू के लिमा में वी प्रे फॉर पेरू नामक एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें पेरू के पूर्व राष्ट्रपति फ्रांसिस्को सगस्ती भी मुख्य रूप से मौजूद रहे। इसमें वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके नोनी ने ब्रह्माकुमारीज का प्रतिनिधित्व किया। इस दौरान उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति सगस्ती से मुलाकात कर संस्था के सेवाकार्यों की जानकारी दी।

चीन में समर कैंप का आयोजन



शिविर में शामिल बच्चे प्रशस्ति पत्र दिखाते हुए।

■ **शिव आमंत्रण** | **हॉंग कॉंग**। चीन में हॉंग कॉंग के कॉवलून स्थित ब्रह्माकुमारीज राजयोग सेण्टर द्वारा बच्चों के लिए "मैजिक टच" समर कैंप का आयोजन किया गया। इस दौरान हांगकांग में लोकप्रिय टीवी होस्ट हैरी वॉंग, बीके हर्षा, बीके एनिमा ने मूल्य सत्रों के अलावा जादू, संगीत, कलाकृति और समूह गायन जैसी अलग-अलग गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को आध्यात्मिकता से जोड़ने का पूरा प्रयास किया। शिविर के अंतिम दिन भाग लेने वाले बच्चों के माता-पिता को बच्चों की प्रस्तुतियां और प्रदर्शन देखने के लिए विशेष आमंत्रित किया गया।

पीएचडी छात्रों के लिए राजयोग प्रशिक्षण



पीएचडी एवं एमडी स्टूडेंट्स के लिए लेक्चर देते हुए बीके प्रिया।

■ **शिव आमंत्रण** | **सेंट लुइस**। मिसौरी के सेंट लुइस स्थित मोनास्ट्रो बैंक्रेट सेण्टर में सेंट लुइस यूनिवर्सिटी में पीएचडी एवं एमडी स्टूडेंट्स के लिए बिल्ड योर सेल्फ एस्टीम विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। सेंटलुइस में ब्रह्माकुमारीज की को-ऑर्डिनेटर बीके प्रिया ने भी संबोधित किया। इसमें कई डॉक्टरों ने भाग लिया।

राजयोग ध्यान की अमेरिका में गुंज



■ **शिव आमंत्रण** | **वाशिंगटन**। अमेरिका की 3 मैगजीन ईडेन, ओल और मेडिटेशन मैगजीन में भारतीय राजयोग ध्यान और आध्यात्मिकता की गुंज सुनाई दे रही है। अमेरिका की सुप्रसिद्ध मैगजीन ईडेन की पाठक संख्या लाखों में तथा ओल एवं मेडिटेशन मैगजीन हजारों की

संख्या में लोग पढ़ते हैं। इस स्टोरी में बीके जेना की जीवनी तथा ब्रह्माकुमारीज संस्थान एवं उसके आध्यात्मिक उन्नति के लिए सिखाए जाने वाले मेडिटेशन के बारे में लेख प्रकाशित किया गया है। इससे लाखों लोगों के जीवन में नये जीवन का संचार होगा।

सूचना के लिए संपर्क करें

सामाजिक सेवाओं तथा आंतरिक सशक्तिकरण के प्रयास के साथ निकाला गया मासिक **शिव आमंत्रण समाचार पत्र** एक संपूर्ण अखबार है। इसमें आप सभी पाठकों का लगातार सहयोग मिल रहा है, यही हमारी ताकत है।
वार्षिक मूल्य ₹ 110 रुपए, **तीन वर्ष** ₹ 330
आजीवन ₹ 2500 रुपए

पत्र व्यवहार का पता

संपादक ▶ **ब्र.कु. कोमल**
 ब्रह्माकुमारीज शिव आमंत्रण ऑफिस,
 शांतिवन, आबू रोड, जिला- सिरौही,
 राजस्थान, पिन कोड- 307510
मो ▶ 9414172596, 9413384884
Email ▶ shivamantran@bkivv.org

शुभ भावना व श्रेष्ठ विचार से से हो सकती है शांति



पीस कन्सर्ट में शामिल कलाकार।

■ **शिव आमंत्रण** | **हालीफैक्स (कनाडा)**। हालीफैक्स पब्लिक लाइब्रेरी में ब्रह्माकुमारीज संस्थान द्वारा पीस हालीफैक्स-2021 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मेयर माईक सवागे, सिंगर जमानी, रोज कजिन, डेन्जल सिन्सलेयर, और हालीफैक्स सेवाकेन्द्र प्रभारी बीके जूडी जॉन्सन के कर कमलों से दीप जलाकर किया गया। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों ने कहा, कि इस समय लोगों को शांति की विशेष जरूरत है। इसके लिए आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग ध्यान सीखना जरूरी है। मेयर माईक सवागे ने कहा कि शांति की पुनर्स्थापना कोई डिवक्शनरी में अर्थ ढूंढने से नहीं होगी। शांति अपने हृदय से निकलती है, उसके लिए खुद की मेहनत करने की जरूरत है। ब्रह्माकुमारीज की यूरोप की संचालिका बीके जयंती ने कहा, सबके लिए शुभ भावना, श्रेष्ठ विचार रखने से हम शांति की शक्ति प्राप्त कर सकते हैं और आत्माओं को और पूरे विश्व को दे सकते हैं। यह ज्ञान हम आत्माओं के परमपिता शिव परमात्मा धरती पर अवतरित होकर दे रहे हैं। वह प्राप्त करके हर एक अपने को इस धरती माता का शांति स्तंभ बन सकता है। बीके जूडी जॉन्सन ने कहा कि राजयोग से हमें हमारा मूल घर शांतिधाम का पता है। हम अपना मन वहाँ स्थित करके आत्मा का परमपिता शिव बाप से जितनी चाहिए उतनी शांति प्राप्त कर सकते हैं। कनाडा की सभी सेवाकेन्द्र इस कार्य में जुड़ जाएंगे तो पूरे विश्व को शांति के प्रकम्पन दे सकते हैं। इसके साथ ही कार्यक्रम में आये विशिष्ट कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से समा बांध दिया। शांति के लिए शानदार म्यूजिक और सुमधुर धून से लोग आध्यात्मिक वातावरण में डूब गए।

आध्यात्मिक जगत की प्रतिष्ठित पत्रिका **शिव आमंत्रण** अब आपके हाथों में, अपने मोबाइल के **QR Code Scanner** से अभी इंस्टॉल करें और जाने सबसे अपडेट समाचार...

